website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 364 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 10 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में यूरोपीय संघ की आलोचना

-यूरोप बहुत गलत दिशा में जा रहा है – ट्रंप

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ की नीतियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूरोप "बहुत ही गलत दिशा" में आगे बढ़ रहा है। ट्रंप का यह बयान अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी) की रिपोर्ट सामने आने के बाद आया है, जिसमें बड़े पैमाने पर हो रहे पलायन को लेकर गंभीर चेतावनी दी गई है और इसे सभ्यता के लिए खतरा बताया गया है। रिपोर्ट में यूरोप की मौजूदा नीतियों पर सवाल खड़े किए गए हैं और कहा गया है कि अनियंत्रित अप्रवास के कारण सामाजिक, सांस्कृतिक और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लगाए गए करीब 14 करोड़ डॉलर के जुर्माने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने संकेत दिया कि अभिव्यक्ति की आज़ादी और बड़े टेक प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई को लेकर यूरोपीय संघ का रवैया अमेरिका की सोच से अलग है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने सख्त शब्दों में कहा, "देखिए और सुनिए, यूरोप को बहुत सावधान रहने की जरूरत है। यूरोपीय संघ कई ऐसे काम कर रहा है जो उसे कमजोर कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि यूरोप, यूरोप ही बना रहे।" उनके इस बयान को यूरोपीय पहचान, संस्कृति और जनसांख्यिकी में हो रहे बदलावों पर चिंता के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि यूरोप जिस दिशा में जा रहा है, वह न केवल पूरे महाद्वीप के लिए, बल्कि वहां के लोगों के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है। उन्होंने कहा, "यूरोप बुरी दिशाओं में जा रहा है। हम नहीं चाहते कि यूरोप इतना बदल जाए। यह बदलाव लोगों और समाज दोनों के लिए ठीक नहीं है।" राष्ट्रपति के मुताबिक, अप्रवास से जुड़ी मौजूदा नीतियां यूरोप के भविष्य पर गंभीर असर डाल सकती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में यूरोपीय संघ की खुलकर आलोचना की गई है। नीति दस्तावेज़ में यूरोप में बड़े पैमाने पर अप्रवास को वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक बड़ा जोखिम बताया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अगर इन मुद्दों पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद अमेरिका-यूरोप संबंधों और अप्रवासन नीति को लेकर बहस और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

संकटकाल में भारत का साथ अहम: शेख हसीना ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने संकट के कठिन दौर में समर्थन और सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का आभार जताया है। मंगलवार को एक खास बातचीत में उन्होंने भारत को बांग्लादेश का "महत्वपूर्ण पड़ोसी और भरोसेमंद पार्टनर" बताते हुए दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंधों की सराहना की। शेख हसीना ने कहा कि संकट के समय भारत द्वारा उन्हें शरण दिया जाना उनके लिए व्यक्तिगत और कूटनीतिक रूप से बेहद अहम रहा है।

पीएम मोदी की भूमिका पर क्या बोलीं शेख हसीना

जब उनसे पूछा गया कि मौजूदा हालात में वह प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को किस नजर से देखती हैं, तो शेख हसीना ने साफ शब्दों में कहा कि भारत बांग्लादेश के लिए केवल पड़ोसी नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साझेदार है। उन्होंने कहा, "मैं प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन और हमारे देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों की कद्र करती हूं। खतरे के समय मुझे जो शरण दी गई, उसके लिए मैं आभारी हूं। भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध बांग्लादेश के हित में हैं और इससे पूरे क्षेत्र में स्थायी स्थिरता सुनिश्चित हो सकती है।"

अगस्त में भारत पहुंची थीं शेख हसीना

गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में बांग्लादेश में हिंसक

प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार गिर गई थी। उसी दौरान वह बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। हाल ही में ढाका में एक स्पेशल ट्रिब्यूनल ने उनकी गैरमौजूदगी में मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में उन्हें मौत की सजा सुनाई है। आरोप है कि उनके प्रशासन ने छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलनों को सख्ती से दबाने की कार्रवाई की थी।

संकट के समय भारत की मदद

यह पूछे जाने पर कि संकट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी किस प्रकार सहायता की, शेख हसीना ने निजी बातचीत या कूटनीतिक विवरण साझा करने से इनकार किया। हालांकि उन्होंने कहा कि वह भारत सरकार और भारत के लोगों की लगातार मदद और समर्थन के लिए दिल से आभारी हैं।

बेटे साजीब वाजेद ने भी जताया आभार

ढाका की ओर से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के बीच उनके बेटे साजीब वाजेद ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का धन्यवाद किया है। साजीब वाजेद ने कहा, "मैं पीएम मोदी का हमेशा आभारी रहूंगा। उन्होंने मेरी मां की सुरक्षा सुनिश्चित की और उनकी जान बचाई। भारत सरकार और भारत के लोगों के मैं दिल से शुक्रगुजार हैं।"

भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर अवामी लीग का रुख

इस बीच अवामी लीग के नेताओं ने भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को ऐतिहासिक और भरोसेमंद बताया है। पार्टी के संयुक्त महासचिव बहाउद्दीन नसीम ने याद दिलाया कि भारत 6 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश की आजादी को मान्यता देने वाला पहला देश था। उन्होंने कहा कि भारत ने उस वक्त दबे-कुचले लोगों के साथ खड़े होकर मानवता और लोकतंत्र का मजबूत उदाहरण पेश किया था। कुल मिलाकर, शेख हसीना और अवामी लीग के बयानों से यह साफ है कि मौजूदा राजनीतिक संकट के बावजूद भारत-बांग्लादेश के पुराने रिश्तों को आज भी बेहद अहम और आधारभूत माना जा रहा है।

आम आदमी की जिंदगी आसान बनाना सरकार की पहली प्राथमिकता: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली । दिल्ली में मंगलवार सुबह हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक कई मायनों में खास रही। बैठक खत्म होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि बिहार के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के लिए विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। इस दौरान बिहार के नेताओं ने पीएम मोदी को आश्वस्त किया कि वे राज्य के विकास के लिए पूरी मेहनत से काम करेंगे। रिजिजू ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी एनडीए सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र में और अधिक प्रभावी तरीके से काम करने के निर्देश दिए। पीएम मोदी ने कहा कि देश के आम नागरिक की जिंदगी आसान बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए हर क्षेत्र में निरंतर सुधारजरूरी है। किरेन रिजिजू ने कहा कि पीएम मोदी ने यह भी बताया कि किसी भी नागरिक को सरकारी प्रक्रिया के कारण अनावश्यक तकलीफ नहीं होनी चाहिए। कानून जनता के लिए सुविधा का माध्यम होना चाहिए, बोझ नहीं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे सभी नियम और कानून, जो बिना कारण आम लोगों को परेशान करते हैं, उनकी समीक्षा की जाए। बैठक में युवाओं को जोड़ने और प्रेरित करने पर जोर दिया गया। रिजिजू ने बताया कि खेल-कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवा ऊर्जा को दिशा देने का सुझाव दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है और उन्हें अधिक अवसर देने की आवश्यकता है। रिजिजू के अनुसार, पीएम मोदी ने सभी एनडीए सहयोगियों से कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब हमें हर काम पहले से तीन गुना तेजी से पूरा करना होगा। एकजुट होकर काम करना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के शानदार प्रदर्शन के लिए सभी सहयोगी दलों को धन्यवाद भी दिया और इसे टीम एनडीए की एकजुटता का प्रतीक बताया। उन्होंने जानकारी दी कि मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में दो अहम विषयों पर चर्चा होगी। लोकसभा में चुनाव सुधार पर विस्तार से बहस शुरू होगी। यदि चर्चा आज पूरी नहीं होती है, तो इसे बुधवार तक जारी रखा जाएगा। वहीं, राज्यसभा में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष चर्चा शुरू होगी, जिसका प्रारंभ गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। यह चर्चा दो दिनों तक चलेगी। विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा यह कहे जाने पर कि बंगाल चुनाव को देखते हुए वंदे मातरम पर चर्चा हो रही है, इस पर रिजिजू ने कटाक्ष करते हुए कहा, "150 साल पूरे हुए हैं तो अब चर्चा होगी ही। सालगिरह क्या हम तय करते हैं?"

सोनिया गांधी को राऊज एवेन्यू कोर्ट का नोटिस

-नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम होने पर आपत्ति

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के नागरिकता से पहले मतदाता सूची में नाम होने के कथित मामले को लेकर नोटिस जारी किया है। अदालत ने इस पूरे प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए अगली सुनवाई की तारीख 6 जनवरी 2026 तय की है। मामला इस आरोप से जुड़ा है कि भारतीय नागरिकता मिलने से पहले ही सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट में शामिल किया गया था। यह विवाद तब सामने आया जब अधिवक्ता विकास त्रिपाठी की ओर से अदालत में रिवीजन पिटीशन दायर की गई। याचिका में कहा गया कि सोनिया गांधी को 30 अप्रैल 1983 को भारत की नागरिकता मिली थी, लेकिन इससे पहले ही उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज था। याचिकाकर्ता का दावा है कि नागरिकता मिलने से पहले वोटर लिस्ट में नाम होना कानूनन आपत्तिजनक है।

वकील विकास त्रिपाठी ने लगाए गंभीर आरोप

याचिका में अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी का नाम पहले मतदाता सूची में जोड़ा गया, फिर 1982 में हटाया गया और नागरिकता मिलने के बाद 1983 में दोबारा शामिल किया गया। याचिकाकर्ता के अनुसार, नाम जोड़ने, हटाने और फिर से शामिल

करने की यह पूरी प्रक्रिया गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा करती है और इसकी विधिवत जांच होनी चाहिए।

पहले खारिज हो चुका है मामला

गौरतलब है कि सितंबर 2025 में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस शिकायत को खारिज कर दिया था। उस समय अदालत ने यह माना था कि एफआईआर दर्ज कराने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं और पेश किए गए तथ्यों से कोई स्पष्ट आपराधिक कृत्य साबित नहीं होता। हालांकि, बाद में दायर की गई रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई करते हुए राऊज एवेन्यू कोर्ट ने पहली नजर में इस मामले को विचारणीय माना है। इसी के साथ कोर्ट ने सोनिया गांधी को नोटिस जारी कर उनका पक्ष रखने का अवसर दिया है। अदालत के इस कदम के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब सभी की निगाहें 6 जनवरी 2026 पर टिकी हैं, जब राऊज एवेन्यू कोर्ट इस मामले में आगे की सुनवाई करेगी और यह तय होगा कि इस प्रकरण में आगे क्या कानूनी कार्रवाई होती है।

'56 इंच की छाती का क्या फायदा? चीन घुस आया', राज्यसभा में पीएम मोदी पर बरसे खरगे, नड्डा ने जताया विरोध

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीन, राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। खरगे ने लद्दाख में चीन की मौजूदगी का मुद्दा उठाते हुए कटाक्ष किया—"56 इंच की छाती का देश को क्या फायदा हुआ, जब चीन घुस आया और सरकार चुप बैठी है?" उनके इस बयान के बाद सदन में हंगामा हो गया और भाजपा सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद अपनी सीट से खड़े होकर खरगे के बयान पर आपत्ति जताते नजर आए।

वंदे मातरम पर सियासी टकराव

खरगे ने वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्षों से वंदे मातरम गाते आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वे स्वयं 60 साल से यह गीत गा रहे हैं और 30–35 वर्षों से विधायक व सांसद रहते हुए सदन में इसका सम्मान करते आ रहे हैं।

खरगे ने आरोप लगाया कि जो लोग पहले वंदे मातरम नहीं गाते थे, वही आज इसे राजनीति का हथियार बना रहे हैं। उन्होंने कहा, "जब स्वतंत्रता सेनानी जेल जा रहे थे, तब जो आज देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांट रहे हैं, वे अंग्रेजों की नौकरी कर रहे थे।" उनके अनुसार, मौजूदा सरकार लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना को कमजोर कर रही है।

'इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही सरकार'

अपने भाषण में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं को बदनाम करने की सुनियोजित कोशिश की जा रही है। खरगे ने साफ किया कि वंदे मातरम को लेकर जो निर्णय हुआ था, वह सामूहिक था, जिसमें जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, मौलाना आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे बड़े

नेता शामिल थे। उन्होंने कहा कि भाजपा और पीएम मोदी नेहरू और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। खरगे ने तीखे शब्दों में कहा, "नेहरू का नाम चाहे जितना नीचे लाने की कोशिश करें, वह सबसे ऊंचे थे और रहेंगे, आप नीचे हैं और नीचे ही रहेंगे।"

चीन और अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला

खरगे ने चीन के मुद्दे के साथ-साथ देश की आर्थिक स्थिति पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि चीन सीमा पर लगातार आक्रामक हो रहा है, लेकिन सरकार उसके खिलाफ खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं कर पा रही। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "56 इंच की छाती की बातें छोड़िए, चीन के खिलाफ बोलने की हिम्मत तो दिखाइए।" रुपये की गिरती स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये की हालत "हिमालय से गिरने वाले इंसान" जैसी हो गई है। खरगे का दावा था कि पड़ोसी देशों में भारत का प्रभाव घट रहा है, जबकि चीन की पकड़ लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के 19 जून 2020 के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि "न कोई घुसा है, न घुस आया है", और आरोप लगाया कि जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। खरगे के इस तीखे भाषण के बाद सदन में माहौल गर्म रहा और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जमकर सियासी टकराव देखने को मिला।

राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर उठाए तीन सवाल, सदन में हंगामा

नई दिल्ली। लोकसभा में चल रही चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से तीखे सवाल पूछे, जिसके बाद सदन में हंगामे की स्थिति बन गई। इस दौरान राहुल गांधी टी-शर्ट की बजाय कुर्ता–पायजामा में नजर आए। अपने भाषण में उन्होंने चुनाव आयोग, कानूनों में बदलाव और वोटिंग प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सत्ता पक्ष को घेरते हुए तीन अहम सवाल रखे। भाषण के दौरान उन्होंने खादी, महात्मा गांधी, गोडसे और आरएसएस का भी जिक्र किया, जिस पर विरोध शुरू हो गया।

राहुल गांधी के तीन सवाल

राहुल गांधी ने सबसे पहला सवाल चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर पूछा। उन्होंने कहा कि पहले इसमें देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की भूमिका होती थी, लेकिन सरकार ने उन्हें चयन प्रक्रिया से बाहर क्यों कर दिया? उनका कहना था कि इससे चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सवाल उठते हैं। दूसरा सवाल दिसंबर 2023 में बदले गए कानून को लेकर था। राहुल ने पूछा कि चुनाव आयुक्तों को इम्युनिटी क्यों दी गई और सीसीटीवी फुटेज से जुड़े नियमों में बदलाव क्यों किया गया? उन्होंने आशंका जताई कि इससे चुनावी प्रक्रिया की निगरानी कमजोर हो सकती है। तीसरा सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा कानून क्यों बनाया गया, जिसके तहत चुनाव आयोग को 45 दिनों के बाद सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने का अधिकार मिल गया। उन्होंने हरियाणा की वोटर लिस्ट का उदाहरण देते हुए पूछा कि एक ब्राजील की मॉडल का नाम 22 बार मतदाता सूची में कैसे शामिल हो गया?

'देश एक कपड़े की तरह'

राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश की तुलना एक कपड़े (फैब्रिक) से की। उन्होंने कहा कि भारत 1.4 अरब लोगों का देश है और यह एक मजबूत कपड़े की तरह जुड़ा हुआ है। अगर वोट की सुरक्षा नहीं रही, तो लोकतंत्र के बाकी संस्थान—चाहे लोकसभा हो, राज्यसभा हो या विधानसभाएं—कुछ भी सुरक्षित नहीं रह पाएंगे।

भाषण के दौरान हंगामा

राहुल गांधी के भाषण के बीच सदन में हंगामा देखने को मिला। इस दौरान विपक्ष की ओर से "वोट चोरी" के नारे भी लगाए गए। राहुल जब आरएसएस और अन्य विषयों का जिक्र कर रहे थे, तभी भाजपा सांसदों ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार चर्चा सुनने के लिए तैयार है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष विषय से हटकर बात कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी को चुनाव सुधारों के मुद्दे तक सीमित रहने की सलाह दी। कुल मिलाकर, चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी के सवालों और आरोपों ने लोकसभा का माहौल गर्म कर दिया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, 5 जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट

नई दिल्ली । राजस्थान में इस कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सीकर, चूरू, झुंझुनू, डीडवाना-कुचामन और नागौर समेत पांच जिलों में शीतलहर की स्थिति के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पूरे राज्य में पहले से ही ठंड महसूस की जा रही थी। इसी बीच, अब मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में तापमान में और भी ज्या ज्यादा गिरावट दर्ज की जा सकती है। पिछले 24 घंटों में फतेहपुर में तापमान 3.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पूर्वी राजस्थान के सबसे ठंडे इलाकों में से एक बन गया, जबकि पश्चिम में नागौर में तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। IMD के अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में शेखावाटी के ऊपर बादलों की परत ने बर्फीली हवाओं के असर को थोड़ा कम किया है, लेकिन यह राहत अस्थायी है। 10 दिसंबर से आसमान साफ होने के साथ, शीतलहर के और तेज होने की उम्मीद है, जिससे अलर्ट वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान और नीचे गिर जाएगा। वहीं, 10 से 14 दिसंबर तक राजस्थान में आसमान साफ रहने, मौसम सूखा रहने और सुबह और रात में तेज ठंड पड़ने की उम्मीद है, भले ही दोपहर में धूप निकले। इससे पहले सोमवार सुबह सीकर में हल्का कोहरा छाया रहा, और तेज हवाओं ने सुबह के शुरुआती घंटों को बहुत ठंडा बना दिया। इसके बाद निकली तेज धूप से थोड़ी राहत मिली, लेकिन आईएमडी ने चेतावनी दी कि ठंड अभी खत्म नहीं हुई है। 10 और 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान और गिरने की संभावना है। राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र में सोमवार को मौसम में उतार-चढ़ाव रहा। दिन में धूप और रात में ठंडी हवा चली। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि इस हफ्ते भी ऐसा ही मौसम रहेगा, तापमान में थोड़ा उतार-चढ़ाव होगा, लेकिन ठंड से कोई बड़ी राहत नहीं मिलेगी। जैसे-जैसे राजस्थान में ठंड बढ़ रही है, स्वास्थ्य विभाग ने सावधानी बरतने की सलाह दी है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए।

'यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं, हालात धीरे-धीरे सामान्य', संसद में बोले केंद्रीय मंत्री; सैकड़ों उड़ानें अब भी रद्द

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में जारी अव्यवस्था को लेकर संसद में सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। लोकसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और हालात तेजी से सामान्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंडिगो की उड़ान सेवाएं धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं, लेकिन एयरलाइन की लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इंडिगो ने अचानक अपनी उड़ानों की संख्या बढ़ा दी थी, जिससे परिचालन प्रणाली पर दबाव पड़ा और बड़े पैमाने पर व्यवधान उत्पन्न हुआ। सरकार और विमानन नियामक DGCA लगातार पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं।

समस्या क्यों हुई? सरकार ने बताई वजह

राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री नायडू ने बताया कि यह संकट इंडिगो की आंतरिक परिचालन व्यवस्था, विशेषकर क्रू रोस्टरिंग सिस्टम और उड़ान योजना में खामियों के कारण पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि उड़ानों से जुड़े नियमों में बदलाव पहले ही लागू हो चुके थे और सभी एयरलाइंस को इसकी जानकारी थी। उन्होंने यह भी बताया कि 1 दिसंबर को इंडिगो प्रबंधन के साथ इस मुद्दे पर बैठक हुई थी, लेकिन उस समय एयरलाइन की ओर से किसी गंभीर समस्या का संकेत नहीं दिया गया। सोमवार रात हुई समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने माना कि स्थिति गंभीर है, इसलिए मंत्रालय और DGCA अब लगातार निगरानी कर रहे हैं।

बेंगलुरु और हैदराबाद से 180 उड़ानें रद्द

इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान आठवें दिन भी जारी रहा। मंगलवार को बेंगलुरु और हैदराबाद हवाई अड्डों से करीब 180 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में कटौती

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में कटौती करने का फैसला कर चुकी है। ये स्लॉट अन्य एयरलाइनों को आवंटित किए जाएंगे, ताकि यात्रियों को वैकल्पिक सुविधाएं मिल सकें। मंत्री के अनुसार, इंडिगो इस समय प्रतिदिन लगभग 2,200 उड़ानें संचालित कर रही है, जिनकी संख्या निश्चित रूप से कम की जाएगी।

रद्द उड़ानों के लिए 745 करोड़ का भुगतान

यात्रियों को राहत देने के लिए इंडिगो ने 1 से 8 दिसंबर के बीच रद्द हुई उड़ानों से जुड़े 7,30,655 पीएनआर के लिए करीब 745 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। इसके साथ ही 9,000 यात्रियों के बैग में से 6,000 बैग वापस किए जा चुके हैं, जबकि शेष बैग मंगलवार सुबह तक यात्रियों को सौंपे जाने की बात कही गई है।

DGCA ने उड़ानों में 5% कटौती का आदेश

विमानन सुरक्षा नियामक DGCA ने मंगलवार को इंडिगो की उड़ानों में 5 प्रतिशत कटौती का आदेश दिया है। यह कटौती सभी रूट्स पर की गई है, विशेष रूप से अधिक मांग वाले मार्गों पर। DGCA ने इंडिगो को बुधवार शाम पांच बजे तक नया संशोधित उड़ान शेड्यूल पेश करने का निर्देश दिया है। सरकार ने साफ किया है कि स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए सख्त कदम जारी रहेंगे और यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

कायदे मौजूद हैं, पर अमल नदारद: हादसों के पीछे सिस्टम की यही सबसे बड़ी चूक

हमें कायदे-कानूनों की कमी नहीं है, न ही नियम बनाने वालों की बुद्धि या नीयत पर सवाल है। समस्या वहां पैदा होती है, जहां कानून काग़ज़ों से बाहर निकलकर ज़मीन पर उतरने की बात आती है। हाल की दो घटनाएं—एक ओर इंडिगो एयरलाइंस से जुड़ा संकट और दूसरी ओर गोवा के एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग—इसी सच्चाई को उजागर करती हैं। हैरानी की बात यह है कि दोनों हादसों को रोकने के लिए जरूरी नियम पहले से मौजूद थे, निगरानी और प्रवर्तन के लिए संस्थाएं भी थीं और जिन पर पालन की जिम्मेदारी थी, उन्हें इन नियमों की पूरी जानकारी भी थी। फिर भी न कानून का खौफ दिखा, न प्रशासन की सख़्ती। इंडिगो विवाद के बाद यह सामने आया कि पायलटों की ड्यूटी और आराम के समय से जुड़े नए नियम दो साल पहले लागू किए जा चुके थे। इनका उद्देश्य साफ था—लगातार बढ़ते उड़ान दबाव के बीच पायलटों की थकान को कम करना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। लेकिन देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस ने न केवल इन नियमों को गंभीरता से नहीं लिया, बल्कि अपनी वार्षिक रिपोर्टों में भी इसका कोई उल्लेख नहीं किया। सवाल यह नहीं है कि नियम क्यों बने, बल्कि यह है कि उन्हें लागू कराने वाली संस्था डीजीसीए इतनी असहाय क्यों दिखी? समय-सीमा बढ़ाने और छूट देने का सिलसिला चलता रहा, जबकि उड़ानों की संख्या तेज़ी से बढ़ती गई और पायलटों की संख्या उसी अनुपात में नहीं बढ़ाई गई। नतीजा यह हुआ कि सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा धीरे-धीरे प्रबंधकीय सुविधा का सवाल बना रहा। गोवा के नाइट क्लब में हुआ अग्निकांड भी इसी प्रवृत्ति का परिणाम है। हादसे के बाद एक-एक कर ऐसी बातें सामने आईं, जो किसी भी सभ्य और नियम-प्रधान व्यवस्था में क्लब के संचालन को असंभव बना देतीं। भवन अवैध था, अग्निशमन विभाग की एनओसी नहीं थी, शराब बेचने की वैध अनुमति नहीं थी और आपात स्थिति में बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता तक मौजूद नहीं था। इसके बावजूद क्लब चल रहा था और लोग वहां रोज़ाना जुट रहे थे। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इतने बड़े उल्लंघन कैसे नजरअंदाज होते रहे? क्या किसी निरीक्षण में ये खामियां नहीं दिखीं, या फिर सब कुछ देखकर भी अनदेखा किया गया? इन दोनों घटनाओं के बाद सरकार ने जांच समितियां गठित कीं, रिपोर्ट जल्दी देने के निर्देश दिए गए और जिम्मेदारी तय करने की बातें हुईं। लेकिन यह प्रतिक्रिया हर बड़े हादसे के बाद देखने को मिलती है। असली सवाल जांच के बाद की कार्रवाई और उससे पहले की उदासीनता का है। कानून तब कमजोर पड़ता है, जब उसे लागू करने वाली एजेंसियां दबाव, सुविधा, प्रभाव या मिलीभगत के आगे झुक जाती हैं। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाले यह मान लेते हैं कि अधिकतम स्थिति में थोड़ा जुर्माना या चेतावनी मिल जाएगी। हम कानूनों का पालन इसलिए नहीं करते क्योंकि हमारे सिस्टम में डर से ज्यादा ढील और जवाबदेही की कमी है। जब तक नियम तोड़ने की कीमत वास्तविक और सख्त नहीं होगी, तब तक काग़ज़ों पर बने कानून आग, हादसों और जान के नुकसान को नहीं रोक पाएंगे।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस की बदली रणनीति और चीन पर निर्भरता कम होने से भारत के लिए उभरता नया सामरिक अवसर

-प्रतिबंधों, ऊर्जा राजनीति और बदलते वैश्विक संतुलन के बीच भारत-रूस संबंधों की नई संभावनाएँ

यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति में केवल सीमाओं और सेनाओं को ही नहीं बदला है, बल्कि गठबंधनों, निर्भरताओं और रणनीतिक प्राथमिकताओं को भी नई शक्ल दी है। इस संघर्ष ने जिस सबसे बड़े बदलाव को जन्म दिया है, वह है रूस की चीन पर बढ़ती निर्भरता। पश्चिमी प्रतिबंधों, वित्तीय अलगाव और तकनीकी बहिष्कार ने रूस को ऐसी हालत में ला खड़ा किया, जहाँ उसके पास चीन की ओर झुकने के अलावा सीमित विकल्प बचे। लेकिन यही स्थिति लंबे समय में भारत जैसे देशों के लिए एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है—क्या रूस-चीन की यह नज़दीकी स्थायी है, और अगर नहीं, तो युद्ध के बाद का रूस भारत के लिए क्या अवसर लेकर आ सकता है? भारत के लिए रणनीतिक रूप से सबसे अनुकूल स्थिति वही होगी, जिसमें रूस चीन पर अत्यधिक निर्भर न रहे, बल्कि एक संतुलित वैश्विक भूमिका में लौटे। युद्ध के बाद वाला रूस, अगर प्रतिबंधों में ढील पाता है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में धीरे-धीरे वापस आता है, तो चीन पर उसकी मजबूरी-जनित निर्भरता कम हो सकती है। यही वह बिंदु है, जहाँ भारत की दीर्घकालिक दूरदृष्टि काम आ सकती है।

यूक्रेन संघर्ष: केवल युद्ध नहीं, एक थकान भरा गतिरोध

यूक्रेन युद्ध को अक्सर नैतिकता बनाम आक्रामकता के फ्रेम में देखा गया, लेकिन समय के साथ यह साफ़ हो गया कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय महत्वाकांक्षा का परिणाम नहीं है। इसके पीछे दशकों से जमा हो रही राजनीतिक थकान, आर्थिक दबाव और सुरक्षा सरोकारों की अनदेखी भी शामिल है। नाटो का लगातार पूर्व की ओर विस्तार रूस के लिए एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। यह सच्चाई कि रूस यूक्रेन को केवल एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक सुरक्षा-प्राचीर के रूप में देखता है, पश्चिम ने लंबे समय तक गंभीरता से नहीं ली। कीव

का पश्चिमी गुटों की ओर झुकाव मास्को को अपनी रणनीतिक घेराबंदी जैसा महसूस हुआ। क्रेमलिन की नज़र में यूक्रेन वह भूभाग था, जिसके रास्ते सदियों से रूसी सत्ता को चुनौती दी जाती रही है।

क्रीमिया और काला सागर: रूस की सामरिक धुरी

यूक्रेन संकट में दो ऐसी रणनीतिक परिसंपत्तियाँ हैं, जिन पर रूस किसी भी सूरत में समझौता नहीं कर सकता था। पहली है क्रीमिया, जो 2014 से रूस की सैन्य-व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। दूसरी है काला सागर की तटरेखा, जो भूमध्यसागर तक पहुँच का रूस का सबसे भरोसेमंद मार्ग है। क्रीमिया केवल प्रतीकात्मक मुद्दा नहीं है; वह रूस की नौसैनिक शक्ति, परमाणु निवारण और ऊर्जा परिवहन की रीढ़ है। काला सागर तक निर्बाध पहुँच के बिना रूस एक महाद्वीपीय शक्ति में सिमट सकता है। इसलिए इन क्षेत्रों को त्यागना किसी भी रूसी नेतृत्व के लिए राजनीतिक आत्महत्या जैसा होता। यही कारण है कि चाहे आर्थिक लागत कितनी भी भारी क्यों न हो, मास्को ने इन मोर्चों पर पीछे हटने का संकेत नहीं दिया।

युद्ध की वास्तविकता: निर्णायक जीत नहीं, महँगा ठहराव

2022 में शुरू हुआ यह युद्ध रूस के शुरुआती अनुमानों से कहीं अधिक कठिन और महँगा साबित हुआ। मास्को ने शायद यह सोचा था कि कीव कुछ ही हफ्तों में झुक जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यूक्रेन ने असाधारण साहस दिखाया और पश्चिमी सैन्य-आर्थिक समर्थन के बल पर डटकर मुकाबला किया। इसके बावजूद, युद्ध के तीसरे वर्ष तक पहुँचते-पहुंचते स्थिति एक कठोर सामरिक गतिरोध में बदल गई। यूक्रेन, पश्चिम के निरंतर सहयोग के बावजूद, डोनबास से रूसी सेना को निर्णायक रूप से बाहर नहीं निकाल सका। दूसरी ओर, रूस भी दनिपर नदी से आगे बढ़ने में असफल रहा। नाटो ने युद्ध में प्रत्यक्ष भागीदारी से परहेज़ किया, जिससे संघर्ष सीमित लेकिन लंबा बनता गया। नतीजा यह है कि आज कोई भी पक्ष पूर्ण विजय का दावा नहीं कर सकता। दोनों ही पक्ष एक लंबे, थकाऊ और महँगे ठहराव में फँसे हुए हैं।

इस गतिरोध की कीमत: सभी पर भारी बोझ

इस ठहराव की कीमत अब सभी पक्षों को चुकानी पड़ रही है। यूरोप ऊँची ऊर्जा कीमतों, बढ़ते रक्षा खर्च और आर्थिक सुस्ती से जूझ रहा है। सामाजिक असंतोष और राजनीतिक दबाव कई यूरोपीय देशों में बढ़ता जा रहा है। रूस पर लगे प्रतिबंधों का असर भी गहरा है। तकनीकी आयात सीमित हुए, वित्तीय लेन-देन जटिल बने और यूरोपीय ऊर्जा बाजार लगभग बंद हो गया। इसके बावजूद रूस तेल और गैस निर्यात के वैकल्पिक मार्ग खोजकर, खासतौर पर एशिया की ओर झुककर, दबाव झेलने में सफल रहा। युद्धकालीन अर्थव्यवस्था और सैन्य उत्पादन ने उसे आंशिक राहत दी। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव अमेरिका में दिख रहा है। वहाँ रणनीतिक थकान के स्पष्ट संकेत उभर रहे हैं। अमेरिकी जनता में यूक्रेन को असीमित समर्थन देने का उत्साह घटा है। डोनाल्ड ट्रम्प जैसे नेता इस युद्ध को नैतिक संघर्ष नहीं, बल्कि एक रणनीतिक बोझ के रूप में पेश कर रहे हैं। कीव को सैन्य सहायता रोकने की चेतावनियाँ आकस्मिक नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक माहौल का संकेत हैं। अमेरिका अब यूक्रेन का बिना शर्त सहायक कम और दबावकारी वार्ताकार अधिक बनता दिख रहा है।

युद्ध के बाद वाला रूस: क्यों बदलेगा समीकरण

अगर आने वाले समय में किसी रूप में युद्धविराम या राजनीतिक समझौता होता है, तो रूस की विदेश नीति का संतुलन बदलना तय है। पश्चिमी प्रतिबंधों में आंशिक ढील, वैश्विक बाजारों में सीमित वापसी और निवेश के नए अवसर रूस को चीन के एकमात्र विकल्प से बाहर आने का मौका देंगे। युद्ध के दौरान रूस-चीन की नज़दीकी ज़रूरत-आधारित थी, न कि मूल्य-आधारित। चीन ने रूसी ऊर्जा सस्ते दामों पर खरीदी, लेकिन तकनीक और पूँजी के मामले में वह हमेशा सतर्क और स्वार्थी रहा। लंबे समय में रूस के लिए यह स्थिति असहज है—एक ऐसा जूनियर पार्टनर बनना, जिसकी शर्तें बीजिंग तय करे। यही वह जगह है, जहाँ भारत की भूमिका अहम हो जाती है।

भारत-रूस संबंध: मजबूरी नहीं, साझेदारी

भारत और रूस के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से भरोसे और रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रहे हैं। शीत युद्ध से लेकर आज तक, रक्षा, ऊर्जा और कूटनीति में दोनों देशों ने एक-दूसरे का साथ दिया है। यूक्रेन युद्ध के दौरान भी भारत ने संतुलित रुख अपनाया—न तो पश्चिमी दबाव में आकर रूस से दूरी बनाई और न ही किसी सैन्य गठजोड़ का हिस्सा बना। युद्ध के बाद, अगर रूस वैश्विक मंच पर लौटता है, तो भारत उसके लिए एक ऐसा साझेदार हो सकता है जो भरोसेमंद भी है और संतुलनकारी भी। भारत रूस की ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा तकनीक के सह-विकास और मध्य एशिया में स्थिरता का अहम स्तंभ बन सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत-रूस की नज़दीकी अमेरिका के लिए असहनीय नहीं है। भारत-अमेरिका संबंध आज इतने मजबूत हैं कि एक संतुलित रूस नीति उन्हें जटिल करने के बजाय सरल बना सकती है। यूरोप में शांति और यूक्रेन संघर्ष का अंत वैश्विक ध्रुवीकरण को कम करेगा, जिससे भारत की "रणनीतिक स्वायत्तता" को और जगह मिलेगी।

ऊर्जा, रक्षा और कूटनीति: भारत के लिए तीन बड़े मौके

पहला—ऊर्जा: रूस सस्ते और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत बना रह सकता है। युद्ध के दौरान भारत ने रूसी तेल आयात से यह साबित किया कि व्यावहारिक हित आदर्शों से अलग होते हैं। युद्ध के बाद यह सहयोग और पारदर्शी व दीर्घकालिक हो सकता है।

दूसरा—रक्षा: रूस के साथ रक्षा सहयोग केवल खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं, बल्कि सह-विकास और तकनीकी साझेदारी तक फैला हुआ है। चीन पर रूस की निर्भरता कम होने से भारत को उन्नत रक्षा तकनीक तक बेहतर पहुँच मिल सकती है।

तीसरा—कूटनीति: मध्य एशिया, आर्कटिक और इंडो-पैसिफिक में रूस-भारत सहयोग एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव का नरम लेकिन प्रभावी जवाब होगा। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को यह सिखाया है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होते, केवल स्थायी हित होते हैं। युद्ध के बाद वाला रूस, अगर चीन की छाया से आंशिक रूप से बाहर आता है, तो भारत के लिए यह एक दुर्लभ रणनीतिक अवसर होगा।

नियम बनाकर पीछे हटती व्यवस्था: इंडिगो संकट से उजागर होता भारतीय सिस्टम का तालमेल संकट और नियामक विफलता

-डीजीसीए से दूरसंचार तक बार-बार बदले नियम बताते हैं कि नीति निर्माण में गंभीर खामियां हैं

देश के सबसे बड़े निजी विमानन संकटों में शामिल इंडिगो की सैकड़ों उड़ानों का अचानक रद्द होना सिर्फ एक एयरलाइन की परिचालन विफलता नहीं थी, बल्कि यह भारत के नियामक तंत्र के भीतर गहरे बैठे तालमेल के अभाव को उजागर करने वाली घटना थी। हवाई अड्डों पर फैली अराजकता, परेशान मुसाफ़िर, रद्द टिकट, छूटी कनेक्टिंग फ्लाइट्स और घंटों तक हवा में लटकते शेड्यूल—इन सबने दो बुनियादी सवाल खड़े कर दिए। पहला, क्या नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों और केबिन क्रू के काम के घंटे तय करने वाले नए नियम लागू करते समय जरूरत से ज्यादा सख्ती दिखाई? और दूसरा, क्या इंडिगो इन नियमों को समय रहते लागू करने में लापरवाह रही? इन दोनों सवालों के जवाब सीधे-सीधे "हाँ" या "न" में नहीं दिए जा सकते। इस पूरे विवाद की जड़ें दरअसल उस नियामक सोच में छिपी हैं जो नियम तो बना देती है, लेकिन उनके व्यावहारिक असर का अंदाजा पहले नहीं लगाती।

नियम थे, समय भी था, फिर टकराव क्यों?

डीजीसीए ने जिन नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों को लागू किया, उन्हें अचानक नहीं लाया गया था। इंडिगो के पास करीब 20 महीने का समय था कि वह अपने पायलटों और केबिन क्रू की संख्या, रोस्टर और ऑपरेशनल स्ट्रक्चर को इन नियमों के अनुरूप ढाल सके। लेकिन हकीकत यह है कि इंडिगो का पायलट-प्रति-विमान अनुपात एअर इंडिया और अन्य भारतीय एयरलाइनों की तुलना में काफी कम है। यह कोई भूल नहीं, बल्कि इंडिगो की सोची-समझी कारोबारी रणनीति का हिस्सा रहा है। कम स्टाफ, अधिक उपयोग, कम लागत—इसी मॉडल ने इंडिगो को दुनिया की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली एयरलाइनों में शामिल किया। आंकड़े इस कहानी को खुद बयान करते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में इंडिगो ने 7,258 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया और उसकी मार्केट कैप 2.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। यह सफलता उसी ऑपरेशनल एफिशिएंसी की देन है,

जिसमें हर संसाधन का अधिकतम इस्तेमाल किया जाता है। यहीं से असली टकराव शुरू होता है—सेफ्टी बनाम एफिशिएंसी का।

डीजीसीए के नियम और उनकी व्यावहारिक सीमाएं

एयर डेक्कन के संस्थापक कैप्टन जी.आर. गोपीनाथ ने अपने एक लेख में इस मुद्दे को बेहद साफ शब्दों में समझाया है। डीजीसीए यह तय करता है कि एक पायलट या केबिन क्रू अधिकतम कितने घंटे काम कर सकता है, कितनी उड़ान भर सकता है और कितने समय तक ड्यूटी पर रह सकता है।

उदाहरण के तौर पर: एक पायलट साल में अधिकतम 900 घंटे उड़ान भर सकता है, लेकिन 28 दिनों में 100 घंटे से अधिक नहीं, दो पायलटों के साथ 8 घंटे से ज्यादा उड़ान की अनुमति नहीं, जबकि 3-4 पायलटों के साथ 13–16 घंटे की लंबी उड़ानें संभव हैं, बशर्ते ज्यादा स्टॉपओवर या रात की ज्यादा लैंडिंग न हों, कागज पर ये नियम सेफ्टी के लिहाज़ से जायज़ लगते हैं। लेकिन जब इन्हें बिना पर्याप्त संक्रमण (transition) योजना के सख्ती से लागू किया जाता है, तो पूरा सिस्टम चरमरा जाता है—जैसा कि इंडिगो के मामले में हुआ।

जब रेगुलेशन, उद्देश्य के विपरीत काम करने लगे

डीजीसीए-इंडिगो विवाद एक बड़े सच को सामने लाता है—कई बार हमारी नियामक संस्थाएं व्यापारिक दक्षता बढ़ाने के बजाय उसे बाधित करने लगती हैं। यह कोई अकेला मामला नहीं है। हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व वाले दूरसंचार विभाग (DoT) ने मोबाइल फोन निर्माताओं को 'संचार साथी एप' को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने का निर्देश दिया था। मंशा अच्छी थी—साइबर धोखाधड़ी पर लगाम लगाना। लेकिन डिजिटल अधिकारों से जुड़े कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि इससे डेटा प्राइवेसी और सर्विलांस का खतरा बढ़ सकता है। नतीजा वही हुआ जो इंडिगो मामले में हुआ था—सरकार को अपना फैसला बदलना पड़ा और ऐप की प्री-इंस्टॉलेशन को स्वैच्छिक बनाना पड़ा।

बार-बार पीछे हटते फैसले क्या संकेत देते हैं?

जब सरकार या नियामक संस्थाएं बार-बार अपने ही बनाए नियमों से पीछे हटती हैं, तो यह प्रशासनिक लचीलापन नहीं बल्कि नीति-निर्धारण की कमजोरी को दर्शाता है।

इससे तीन खतरनाक संदेश जाते हैं: नियम बिना पर्याप्त विचार और असर के आकलन के बनाए जा रहे हैं, नियामक तंत्र जल्दबाजी में फैसले ले रहा है, कारोबार और नागरिकों—दोनों का सिस्टम पर भरोसा कमजोर होता है, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस की बात सिर्फ भाषणों में नहीं, बल्कि नियम बनाने की प्रक्रिया में दिखनी चाहिए।

क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर्स और वैश्विक व्यापार

कुछ ही सप्ताह पहले सरकार को क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (QCOs) वापस लेने पड़े। इनका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मज़बूत करना था, लेकिन लागू होते ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगभग ठप हो गया। छोटे निर्यातक, आयातक और एमएसएमई सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। बिना पर्याप्त तैयारी, टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और संक्रमण समय के लागू किए गए ये नियम व्यापार के लिए दीवार बन गए। यानी फिर वही कहानी—नियत अच्छी, लेकिन क्रियान्वयन कमजोर।

नौकरशाही, एआई और नियंत्रण की बेचैनी

सवाल उठता है कि आखिर जरूरत से ज्यादा नियम क्यों बनाए जा रहे हैं? इसका एक कारण है—एआई और ऑटोमेशन का दौर। तकनीक ने उन रास्तों को बंद कर दिया है जिनके ज़रिये अधिकारी अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते थे। फाइलों की देरी, प्रक्रियाओं की जटिलता और "क्लियरेंस" के बदले मिलने वाले अनौपचारिक लाभ अब पहले जैसे आसान नहीं रहे। जैसे-जैसे ये मौके खत्म हो रहे हैं, वैसे-वैसे नौकरशाही नए नियमों और जटिल अनुपालन के ज़रिये अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

स्टेबलकॉइन का डरावना सच: क्रिप्टोकरेंसी कैसे तस्करों की मदद कर रही है और आर्थिक प्रतिबंधों को कमजोर बना रही है

-डिजिटल करेंसी के जरिए अपराध, मनी लॉन्ड्रिंग और प्रतिबंधित नेटवर्क को मिल रही नई ताकत

कभी अवैध कमाई को छिपाना अपराधियों के लिए एक जटिल और जोखिम भरा काम हुआ करता था। तस्कर, माफिया और आतंक से जुड़े नेटवर्क अपनी काली कमाई को सोने, हीरे, विदेशी मुद्रा या महंगी कलाकृतियों में बदल देते थे। इन साधनों से संपत्ति छिप तो जाती थी, लेकिन उसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाना, सुरक्षित रखना और ज़रूरत पड़ने पर खर्च करना हमेशा मुश्किल भरा रहता था। यही वजह है कि सुरक्षा एजेंसियों और सरकारों को अक्सर ऐसे नेटवर्क का सुराग मिल ही जाता था। लेकिन डिजिटल दौर में अपराध की दुनिया ने भी खुद को अपग्रेड कर लिया है। अब तस्करों और अपराधियों को भारी सोने की ईंटें या हीरे ढोने की जरूरत नहीं। वे कुछ क्लिक में करोड़ों की रकम दुनिया के किसी भी कोने में भेज सकते हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा हथियार बना है—स्टेबलकॉइन।

स्टेबलकॉइन: नाम 'स्थिर', असर विस्फोटक

स्टेबलकॉइन दरअसल ऐसी क्रिप्टोकरेंसी होती हैं, जिनका मूल्य किसी पारंपरिक संपत्ति से जुड़ा होता है। आमतौर पर इन्हें अमेरिकी डॉलर, कभी-कभी सोने या अन्य सुरक्षित परिसंपत्तियों से जोड़ा जाता है। उदाहरण के तौर पर टेदर (USDT) या यूएसडी कॉइन (USDC) जैसी मुद्राएं हर समय लगभग एक अमेरिकी डॉलर के बराबर रहने का दावा करती हैं। यही 'स्थिरता' इन्हें अपराधियों के लिए बेहद आकर्षक बनाती है। बिटकॉइन या एथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी में कीमतों का उतार-चढ़ाव बहुत होता है। लेकिन स्टेबलकॉइन में यह जोखिम कम होता है। अपराधी जानते हैं कि अगर उन्होंने आज बड़ी रकम स्टेबलकॉइन में बदली है, तो कल उसकी कीमत अचानक आधी नहीं हो जाएगी।

कैसे चलता है अवैध लेनदेन का यह नया मॉडल

स्टेबलकॉइन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग का तरीका बेहद सरल लेकिन खतरनाक है। खरीद – अपराधी अमेरिका या किसी और देश में कानूनी या अर्ध-कानूनी चैनलों से स्टेबलकॉइन खरीदते हैं।

ट्रांसफर – कुछ ही सेकेंड में ये डिजिटल कॉइन किसी भी देश में किसी भी वॉलेट में भेजे जा सकते हैं। इसमें न तो बैंक लगते हैं और न ही पारंपरिक स्विफ्ट सिस्टम। कन्वर्जन – बाद में इन स्टेबलकॉइनों को डेबिट कार्ड, क्रिप्टो एटीएम या स्थानीय बिचौलियों के जरिए नकद या बैंक खातों में बदल लिया जाता है। ब्लॉकचेन एनालिसिस कंपनी चेनालिसिस के मुताबिक, सिर्फ पिछले साल ही करीब 2.25 लाख करोड़ रुपये का अवैध लेनदेन स्टेबलकॉइनों के जरिए हुआ। यह आंकड़ा बताता है कि क्रिप्टो की यह 'स्थिर' दुनिया असल में कितनी अस्थिर और खतरनाक हो सकती है।

आर्थिक प्रतिबंध क्यों हो रहे हैं बेअसर

स्टेबलकॉइनों का सबसे गंभीर असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक सुरक्षा पर पड़ रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देश दशकों से आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति का बड़ा हथियार मानते आए हैं। किसी देश या व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने का मतलब होता है उन्हें डॉलर और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम से काट देना। लेकिन जब लेनदेन बिना बैंक और बिना डॉलर के भी संभव हो जाए, तो यह हथियार कुंद पड़ने लगता है। रूसी अरबपतियों, इस्लामिक स्टेट से जुड़े नेटवर्क और कई प्रतिबंधित व्यक्तियों द्वारा स्टेबलकॉइन के इस्तेमाल की खबरों ने अमेरिकी नीति-निर्माताओं की नींद उड़ा दी है। ये लोग अब पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम से बाहर रहते हुए भी अरबों रुपये का लेनदेन कर सकते हैं। अमेरिकी कोष विभाग के पूर्व अधिकारी एरी रेडबोर्ड साफ शब्दों में कहते हैं—

"जब कुछ क्लिक में करोड़ों रुपए भेजे जा सकते हों, तो आर्थिक प्रतिबंधों का असर अपने आप कम हो जाता है।"

यूरोप से एशिया तक फैला जाल

समस्या सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। पिछले महीने ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी (NCA) ने एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। इस नेटवर्क ने किर्गिस्तान में एक बैंक तक खरीद लिया था, ताकि रूस पर लगे प्रतिबंधों से बचा जा सके। जांच में सामने आया कि नशीली दवाओं, हथियारों और मानव तस्करी से मिलने वाली रकम को पहले टेदर जैसे स्टेबलकॉइन में बदला जाता था। फिर इस डिजिटल धन को अलग-अलग देशों में घुमाकर आखिरकार साफ-सुथरे बैंक खातों में डाल दिया जाता था। यह दिखाता है कि स्टेबलकॉइन अब सिर्फ ऑनलाइन अपराध का औजार नहीं रहे, बल्कि उन्होंने पूरी एक समानांतर वैश्विक वित्तीय प्रणाली बना ली है।

आतंक और तस्करी को मिल रही डिजिटल ऑक्सीजन

विशेषज्ञों का मानना है कि स्टेबलकॉइन ने आतंकवादी संगठनों और तस्करी नेटवर्क को एक नई सांस दी है। हथियारों की खरीद, ड्रग्स की सप्लाई और मानव तस्करी जैसे अपराध पहले नगद या हवाला के जरिए चलते थे। इस वजह से लेनदेन में दिक्कतें और खतरे थे। अब वही नेटवर्क डिजिटल वॉलेट से जुड़े हुए हैं। एक देश में बैठा व्यक्ति दूसरे महाद्वीप में मौजूद नेटवर्क को सीधे भुगतान कर सकता है। न बॉर्डर की रुकावट, न करेंसी कन्वर्जन का झंझट।

GENIUS Act: पर्याप्त या अधूरा कदम?

इन खतरों को देखते हुए अमेरिका ने हाल ही में जीनियस एक्ट (GENIUS Act) लागू किया है। इसका उद्देश्य स्टेबलकॉइन गतिविधियों पर नियंत्रण बढ़ाना और एक्सचेंजों से ज्यादा पारदर्शिता की मांग करना है। हालांकि आलोचकों का कहना है कि यह कानून फिलहाल सिर्फ अमेरिकी एक्सचेंजों तक सीमित है। अपराधी अक्सर अमेरिकी दायरे से बाहर काम करते हैं।

राजस्थान को खनन में अग्रणी बनाने का लक्ष्य, अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई तय

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभागीय समीक्षा में समयबद्ध राजस्व लक्ष्यों और जीरो टॉलरेंस का दिया संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधन उपलब्ध होने से यह क्षेत्र राज्य के विकास में महती भूमिका निभाता है। साथ ही, यह क्षेत्र स्थानीय रोजगार एवं क्षेत्रीय विकास की भी अहम कड़ी है। हमारी सरकार प्रदेश को खनन क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खनिज संसाधनों का समुचित दोहन करते हुए समयबद्ध राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति की जाए। साथ ही, प्रदेश में हो रहे अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाए। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खान एवं पेट्रोलियम विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में असीम खनिज संपदा की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नए खनिज ब्लॉक्स की पहचान की जाए। साथ ही, अत्याधुनिक नवाचार एवं एआई का उपयोग करते हुए नए खनिज ब्लॉक्स की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि खनिज संपन्न राज्यों में खान क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों एवं राजस्व वृद्धि के लिए किए जा रहे कार्यों का अध्ययन किया जाए जिससे राजस्व में वृद्धि की जा सके।

नीलामी प्रक्रिया में लाएं पूर्ण पारदर्शिता-

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन क्षेत्र में बड़ी संख्या में कुशल एवं अकुशल

श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि रोजगार को बढ़ावा देते हुए प्रदेश में वैध खनन को बढ़ावा दिया जाए, अवैध खनन पर अंकुश लगे। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में नीलामी प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए तथा पुलिस, परिवहन एवं खान विभाग आपसी समन्वय कर अवैध खनन की रोकथाम के लिए कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध खनन निर्धारण के लिए क्षेत्र में ड्रोन सर्वे को बढ़ाया जाए। साथ ही, खनन पट्टा क्षेत्रों एवं अवैध खनन स्थलों की जियो फैन्सिग को और प्रभावी बनाया जाए।

एम-सेण्ड को दिया जा रहा प्रोत्साहन-

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बजरी के विकल्प के रूप में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए एम-सेण्ड नीति 2024 जारी की गई है। इस नीति के माध्यम से एम सैंड यूनिट लगाने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया गया है जिससे एम-सेण्ड के लिए प्रदेश में अनेक प्लांट्स संचालित हैं। उन्होंने अधिकारियों को इन सभी प्लांट्स की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में खनिज संसाधनों की संभावनाओं को जानने के लिए भी प्रभावी कार्ययोजना बनाए जाने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि खान विभाग द्वारा एम-सेण्ड पॉलिसी, मिनरल डवलपमेंट, एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन और अवैध माइनिंग मॉनिटरिंग कमेटी का गठन, ई-रवन्ना, ई-टीपी के गलत इस्तेमाल के लिए टीम का गठन तथा अवैध खनन संवेदनशील क्षेत्रों में बॉर्डर होम गार्ड की तैनाती जैसे कार्य किए गए हैं। साथ ही, प्रदेश में खनन से रॉयल्टी वृद्धि हेतु खनिज परिवहन के लिए जीपीएस एवं आरएफआईडी युक्त वाहनों की बाध्यता की जा रही है। समस्त विभागीय एमपैनल्ड वे-ब्रिज पर स्टेण्डर्ड सॉफ्टवेयर का उपयोग, तुलायंत्रो पर सैंसर्स, ए.आई. कैमरा सहित विभिन्न नवाचार किए गए हैं।

राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री से मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप-मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने मंगलवार को नई दिल्ली में संसद सत्र के दौरान संसद भवन स्थित कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री मोदी से प्रदेश में विकास और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री का प्रेरणादायी मार्गदर्शन, सकारात्मक दृष्टि और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमेशा नई ऊर्जा प्रदान करती है। उनकी सादगी, जनसेवा का जुनून और नेतृत्व क्षमता मानव कल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना की राज्य स्तरीय बैठक निरोगी रहना मानव जीवन का सर्वोत्तम सौभाग्य- उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि निरोगी रहना मानव जीवन का सर्वोत्तम सौभाग्य है। प्रकृति ने हमें स्वस्थ रहने के लिए अनेक अनमोल औषधियों एवं प्राकृतिक उपचार विधियों का वरदान दिया है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों और जीवनशैली को आमजन का अभिन्न हिस्सा बनाना है। डॉ. बैरवा मंगलवार को शासन सचिवालय में आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के संबंध में आयोजित राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में निरोगी रहने, रोगों की रोकथाम करने और प्रकृति आधारित उपचार पद्धतियों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक प्राकृतिक और संतुलित जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ, सशक्त और ऊर्जा से भरपूर जीवन जी सके।

आयुष्मान गांवों को 11 लाख रुपए का प्रोत्साहन—

आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने बताया कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के पहले चरण में प्रत्येक जिले की 5 ग्राम पंचायतों का चुनाव किया गया हैं। इसके बाद आयुष्मान आरोग्य मंदिर वाली ग्राम पंचायतों को इसमें सम्मिलित किया जायेगा। इन पंचायतों में 18 स्वास्थ्य सूचकांकों पर

काम किया जायेगा और इन सूचकांकों की पूर्ण पालना वाली ग्राम पंचायतों को 11 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

आरोग्य सखी से होगा गाँव-गाँव आयुष्मान—

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में आरोग्य मित्र एवं आरोग्य सखियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जायेगा। वे वरिष्ठ नागरिकों, बालिकाओं, शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को वनौषधि परिचय, घरेलु उपचार, आहार-विहार, योग व्यायाम, बीपी व ब्लड शुगर मॉनिटरिंग, नशामुक्ति जैसे सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विषयों का ध्यान रखेगे। बैठक में आयुष, पंचायती राज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग के अधिकारी और यूनिसेफ के प्रतिनिधि उपस्थित रहें। साथ ही सम्बंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े।

दीक्षांत परेड में 'सर्वश्रेष्ठ' का सम्मान

-कोमल चौधरी और ममता जांगू ने जीते सबसे अधिक पुरस्कार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रशिक्षु महिला कॉन्स्टेबलों और उनके प्रशिक्षकों को राजस्थान पुलिस अकादमी में सोमवार को संपन्न हुई 'ऑल वुमेन दीक्षांत परेड' में सम्मानित किया गया। इस दौरान महिला कॉन्स्टेबल सुश्री कोमल चौधरी ने तीन अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार जीतकर रिकॉर्ड बनाया जबकि पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा और मीना वर्मा को सर्वश्रेष्ठ इंडोर प्रशिक्षक के रूप में सराहा गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं निदेशक आरपीए संजीब कुमार नार्जारी ने बताया कि बैच संख्या 98 में पीटीसी जयपुर की प्रशिक्षु कॉन्स्टेबल सुश्री कोमल चौधरी ऑल राउण्डर, इण्डोर और कंप्यूटर विषय में सर्वश्रेष्ठ, प्रशिक्षु खुशी कुमारी ड्रिल और आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ और रोमिका शर्मा फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ रही। नार्जारी ने बताया कि बैच संख्या 99 में भरतपुर जिले की प्रशिक्षु कांस्टेबल ममता जांगू ऑल राउण्डर और इन्डोर में सर्वश्रेष्ठ, झालावाड़ की सुश्री किरण सैन आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ, धौलपुर की

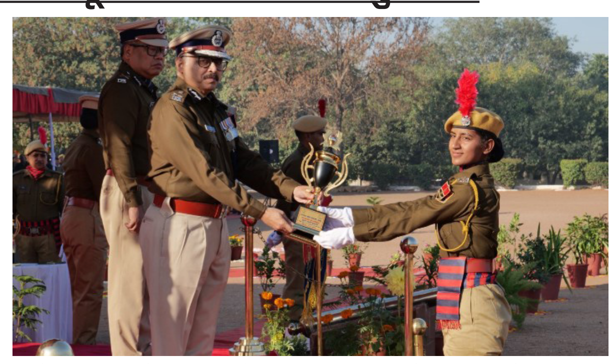

सुश्री संजना चेतीवाल फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ, झालावाड़ की सुश्री लक्ष्मी यादव ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ, राजसमंद की सुश्री कनिष्का खटीक कंप्यूटर विषय में सर्वश्रेष्ठ रही। बैच संख्या 98-99 की इन सभी 12 प्रशिक्षु महिला कांस्टेबल को स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों का हुआ सम्मान—

आरपीए के अतिरिक्त निदेशक शंकर दत्त शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षुओं के इस शानदार प्रदर्शन के पीछे राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर के उत्कृष्ट प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन रहा। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चार प्रशिक्षकों को 'प्रशंसा पत्र' देकर सम्मानित किया गया। बैच संख्या 98 ले लिए इन्डोर में पुलिस निरीक्षक श्रीमती रजनी मीणा व आउटडोर प्रशिक्षक के रूप में हेड कांस्टेबल गोविन्द सिंह तथा बैच संख्या 99 के लिए इन्डोर में पुलिस निरीक्षक मीना वर्मा को और आउटडोर में हेड कांस्टेबल प्रहलाद कुमार को बेस्ट प्रशिक्षक के रूप में चुना गया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने सभी पुरस्कार विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे अपने पूरे सेवाकाल में इसी प्रकार उत्कृष्टता के साथ कार्य करना जारी रखेंगे।

14 दिसंबर को दिल्ली की रैली में बढ़-चढ़कर के हिस्सा ले - मीणा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा की डबल इंजन सरकार की कथनी और करनी में अंतर है उनकी नीति और नियत में भी फर्क है आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली की रैली में बढ़-चढ़कर के हिस्सा ले। जगदीश मीणा प्रदेश कांग्रेस सचिव पाबटा ने पावटा कस्बे के होटल ग्रीन पार्क में आयोजित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मीटिंग में बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव कोटपूतली बहरोड जिले के रैली संयोजक पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा ने यह बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष महादेव यादव ने की कार्यक्रम में प्रभारी गोकुल चंद्र वर्मा जनजाति कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मास्टर जगदीश मंडी समिति के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि रोशन धनखड़ कोटपूतली बहरोड जिले के रैली सह संयोजक रामनिवास यादव सहित कार्यक्रम में सैकड़ो लोग मौजूद थे सभी लोगों ने अपने स्तर पर अपने संसाधनों के साथ 50 गाड़ी रैली में ले जाने के लिए तैयारी की।

प्रदेश अध्यक्ष हनुमान कटारिया ने मंजू कंवर को बनाया प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । झुका सके जमाना यह हमें मंजूर नहीं। निर्धन गरीब बे सहारों को सताएं जमाना यह भी हमें मंजूर नहीं। जो बेसहारों का है सहारा सांवरिया सेठ है हमारा के अनुयाई हैं हम किसी गैर के नहीं। इसीलिए गरीबों से हमदर्दी है हमारी, अमीरों से लगाव नहीं है हमारा। दरो दीवारों पर लिख दो सुनहरी अक्षरों से खाटू श्याम के दीवाने हैं हम। इसीलिए गरीब मजदूर बेसहारा निर्धन लोगों का गरीबों का मसीहा कहलाते हैं हम। हर जिले में हमारी संस्था श्री

मानव हित सामाजिक सेवा संस्थान गरीब परिवारों के लड़के लड़कियों का कम खर्चे में विवाह कराती है। राजस्थान के अधिकतर जिलों में हमारी शाखाएं हैं। इसीलिए संस्था का विस्तार करते हुए संस्था के प्रदेश अध्यक्ष हनुमान कटारिया ने सवाई माधोपुर की बेटी करौली की बहू सपोटरा तहसील की रहने वाली मंजू कंवर को संस्था की वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है।अब मंजू कंवर गरीबों का सहारा बनेंगी। संस्था के पुण्य कार्य में भागीदार बनकर अपना और संस्था का नाम रोशन करेंगी। ऐसी हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है। राजनीति में अहम रोल रखती हैं। सभी समाज में लोकप्रिय है। मैं प्रदेश अध्यक्ष हनुमान कटारिया इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

मोबाइल व रुपये लूटने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

-वारदात में प्रयुक्त बाइक, मोबाइल व नकदी बरामद

जयपुर। शहर में राहगीरों से मोबाइल और रुपये छीनने की वारदातों पर लगाम लगाने के लिए जयपुर उत्तर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस थाना सुभाषचौक की टीम ने मोबाइल और नकदी लूट की घटना का खुलासा करते हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की बाइक, दो मोबाइल फोन और छीनी गई नकदी भी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करन शर्मा (आईपीएस) ने बताया कि मोबाइल व रुपये छीनने की घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण और खुलासे के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम नीरज पाठक के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त पीयूष कवियां (आरपीएस) के सुपरविजन में थानाधिकारी कृष्ण कुमार (पु.नि.) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सतीश चंद, कांस्टेबल दिनेश कुमार (9471) और कांस्टेबल दीपेंद्र सिंह (8693) शामिल थे। टीम ने सूचना संकलन और तकनीकी मदद के आधार पर मुकदमा संख्या 189/2025 धारा 309(4) बीएनएस, पुलिस थाना सुभाषचौक, जयपुर उत्तर में दर्ज लूट की वारदात का खुलासा किया। दरअसल, 7 दिसंबर 2025 की रात करीब 10.30 बजे गंगापोल रोड स्थित गोल्डन जिम के पास राह चलते परिवादी मो. आमिर पुत्र मो. यूनूस को बदमाशों ने रोका, उसके साथ मारपीट की और दो मोबाइल

फोन व 8,500 रुपये छीनकर फरार हो गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सुनसान सड़कों पर बिना नंबर की बाइक हीरो स्प्लेंडर से घूमकर राहगीरों को निशाना बनाते थे और वारदात के बाद फरार हो जाते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों आबिद उर्फ भगोना पुत्र मोहम्मद मजीद, उम्र 28 वर्ष, निवासी मोहल्ला डाकोतान, थाना गलतागेट, जयपुर और मोहम्मद साहिल उर्फ सिंघाड़ा पुत्र मोहम्मद कमालुद्दीन, उम्र 27 वर्ष, निवासी बदोही (उत्तर प्रदेश), हाल किरायेदार थाना सुभाषचौक, जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, छीने गए रुपये और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त कर ली गई है। फिलहाल दोनों शातिर बदमाशों से पूछताछ की जा रही है और अन्य वारदातों में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

मानसरोवर जोन में नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

-सांगानेर जोन में 6 अवैध मीट/मांस की थडियों को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा ने मंगलवार को मानसरोवर जोन क्षेत्र में बेसहारा एवं निराश्रित गौवंश को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर तथा उपायुक्त सीमा शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम डॉ. योगेश शर्मा एवं डॉ. राकेश कलोरिया ने पूरे क्षेत्र में सघन निरीक्षण करते हुए कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान के दौरान सड़कों, गलियों और आवासीय इलाकों में घूम रहे 25 बेसहारा गौवंश को रेस्क्यू कर सुरक्षित रूप से हिंगोनिया गौ-पुनर्वास केंद्र भेजा गया। टीम ने मौके पर मौजूद पशुओं की स्थिति की जांच की तथा परिवहन प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया तथा सांगानेर जोन के प्रतापनगर क्षेत्र में संचालित 6 अवैध मीट/मांस की थड़ियों को बुलडोजर की सहायता से ध्वस्त कराया गया एवं शहर के हसनपुरा, शास्त्रीनगर, भट्टा बस्ती, जालुपुरा, जयसिंहपुरा खोर क्षेत्र में मंगलवार (अक्ता दिवस) को खुली पायी गई 10 मीट/मांस की दुकानों को अस्थाई सीज किया गया। उपायुक्त सीमा शर्मा ने बताया कि आवासीय इलाकों और मुख्य सड़कों पर घूमते बेसहारा गौवंश न केवल यातायात बाधित करते हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी बनते हैं। इसी को देखते हुए निगम द्वारा ऐसे क्षेत्रों में नियमित रूप से अभियान चलाया जा रहा है, जिससे शहर में यातायात सुचारू रहे और पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे। लक्ष्य है कि शहर को बेसहारा पशु समस्या से मुक्त किया जाए और सभी गौवंश को सुरक्षित पुनर्वास केंद्रों तक पहुँचाया जाए।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-60 हजार 900 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 16 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जे.एल.एन मार्ग, अपेक्स सर्किल, जगतपुरा, टोंक रोड़ बी-2 बाईपास से इण्डिया गेट तक दोनों तरफ, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाज़ार, छोटा रास्ता, छोटी चौपड़, किशनपोल बाज़ार, बाबा हरिशचंद्र मार्ग, बिस्सी धर्मशाला चौराहा, खजाने वालों का रास्ता, खजाने वालों का बाजार, खजाने वालों की गली, चांदपोल बाज़ार, आईएम रोड, मुंशीजी का रास्ता, जनपथ रोड, वाणिज्य पथ, हाई-कोर्ट वाली गली, सहदेव मार्ग, भगवान दास रोड, स्टैच्यू सर्किल से पृथ्वीराज रोड एवं एसएमएस अस्पताल से अस्थाई अतिक्रमण

करने वालों के विरुद्ध 60 हजार 900 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 16 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जे.एल.एन मार्ग, अपेक्स सर्किल, जगतपुरा, टोंक रोड़ बी-2 बाईपास से इण्डिया गेट तक दोनों तरफ, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाज़ार, छोटा रास्ता, छोटी चौपड़, किशनपोल बाज़ार, बाबा हरिशचंद्र मार्ग, बिस्सी धर्मशाला चौराहा, खजाने वालों का रास्ता, खजाने वालों का बाजार, खजाने वालों की गली, चांदपोल बाज़ार, आईएम रोड, मुंशीजी का रास्ता, जनपथ रोड, वाणिज्य पथ, हाई-कोर्ट वाली गली, सहदेव मार्ग, भगवान दास रोड, स्टैच्यू सर्किल से पृथ्वीराज रोड एवं एसएमएस अस्पताल से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 16 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 60 हजार 900 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

11 बीघा भूमि पर बनी दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त, 6 बीघा सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने अवैध कॉलोनियों और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार को अलग–अलग जोनों में बड़े स्तर पर अभियान चलाया। इस दौरान करीब 11 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया, वहीं लगभग 6 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जोन-12 में ग्राम बिचपड़ी, निमेड़ा, मौजिया चौराहा के पास जेडीए स्वामित्व की करीब 6 बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास किया जा रहा था। इस सरकारी भूमि की अनुमानित कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सूचना मिलने पर उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी के निर्देशन में राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीनों और मजदूरों की मदद से तारबंदी, मिट्टी-मोरम की सड़कें और अन्य अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। इससे सरकारी भूमि को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया। इसी तरह जोन-24 में ग्राम कनोता, सावंरिया रोड पर निजी खातेदारी की करीब 11 बीघा कृषि भूमि पर बिना जेडीए की स्वीकृति व भू-रूपांतरण के दो नई अवैध कॉलोनियां बसाई जा रही थीं। अलग–अलग स्थानों पर क्रमशः 8 बीघा और 3 बीघा भूमि पर मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें, बाउंड्रीवॉल और अन्य निर्माण किए गए थे। अभियान के तहत इन दोनों अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्त कर अवैध निर्माण के प्रयास को विफल कर दिया गया। जोन-01 में नगर निगम के साथ संयुक्त

अभियान चलाते हुए सचिवालय से स्टेच्यू सर्किल, सेंट्रल पार्क होते हुए वानिकी पथ तक सड़क सीमा के दोनों ओर करीब 40 स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। यहां बांस, तंबू, तिरपाल, ठेलों, थड़ियों, बर्तन और अन्य सामान से सड़क सीमा पर कब्जा किया गया था। कार्रवाई के दौरान रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त कराया गया और नगर निगम द्वारा अतिक्रमण में प्रयुक्त सामान जब्त किया गया। वहीं जोन-04 में सांगानेर क्षेत्र के टोंक रोड स्थित एयरपोर्ट प्लाजा के प्लॉट संख्या 201, बालाजी टॉवर की लॉबी में अवैध रूप से लगाए गए गेट को भी हटवाया गया। ये सभी कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में तथा उप नियंत्रक प्रवर्तन एवं संबंधित जोनों के प्रवर्तन अधिकारियों, राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की मौजूदगी में की गईं। जेडीए के प्रवर्तन प्रकोष्ठ के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 367 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध बसावट के प्रयासों को असफल बनाया जा चुका है।

वोट चोर–गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों पर जयपुर में कांग्रेस की अहम समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा दिल्ली में दिनांक 14 दिसम्बर, 2025 को आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली में राजस्थान से कांग्रेसजनों की भागीदारी को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल कल दिनांक 10 दिसम्बर, 2025 को सायं 05.00 बजे प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम जयपुर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक लेंगे। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अजय माकन, एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, एआईसीसी महासचिव भंवर जितेन्द्र सिंह, सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित राजस्थान से एआईसीसी पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल रहेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा रैली को सफल बनाने हेतु की गई तैयारियों की तथा प्रदेशभर से रैली में भाग लेने हेतु प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से जाने वाले कांग्रेसजनों की सूची, वाहनों की संख्या रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं वाहन प्रभारी के फोन नम्बर सहित एआईसीसी संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल को सौंपेंगे। साथ ही राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस द्वारा एसआईआर अभियान में किए गए कार्यों तथा वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत् हस्ताक्षर अभियान की जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

टोंक–सवाई माधोपुर में उर्वरक वितरण में गंभीर अनियमितताएँ उजागर

-संसद में मुद्दा उठाने के बाद टोंक सवाई माधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने रसायन एवं उर्वरक मंत्री से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

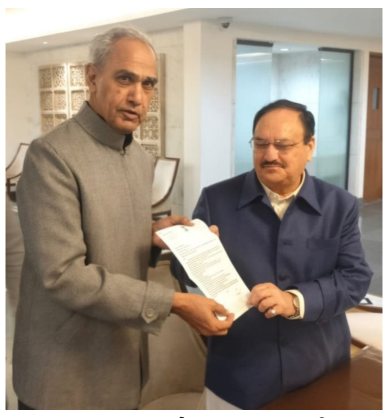

नई दिल्ली/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। टोंक–सवाई माधोपुर संसदीय क्षेत्र में रबी सीजन के दौरान उर्वरकों के वितरण में लगातार बढ़ रही अव्यवस्था, कमी और अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जाहिर करते हुए सांसद महोदय हरीश चन्द्र मीना ने माननीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। सांसद ने मंत्री महोदय को अवगत करवाया है कि "राजस्थान सरकार की लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के कारण किसानों को उनकी जरूरत के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध नहीं हो रहा। किसान लाइनों में धक्के खा रहे हैं, ब्लैक मार्केटिंग चरम पर है और विभाग जिम्मेदारी लेने से बच रहा है।" संसद में पूछे गए प्रश्न का मिला जवाब, सांसद ने उठाई आवाज दरअसल गत 5 दिसम्बर 2025 को सांसद महोदय हरीश चन्द्र मीना द्वारा लोकसभा में उठाए गए प्रश्न के उत्तर में केन्द्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि— राजस्थान को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा चुका है, टोंक एवं सवाई माधोपुर जिले सहित राजस्थान को अतिरिक्त रैक भी आवंटित किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर किसानों को उर्वरक नहीं मिल रहा है, जिससे स्पष्ट है कि राज्य स्तर पर वितरण तंत्र में भारी विसंगतियाँ और घोर कुप्रबंधन है।

सांसद महोदय ने मंत्री महोदय को बताया कि –

"सेंटर ने तो उर्वरक भेज दिया, लेकिन राजस्थान सरकार के पास उसकी न तो उचित मॉनिटरिंग है और न ही वितरण पर नियंत्रण। विभागीय अधिकारियों की ढिलाई और मिलीभगत से किसानों को कृत्रिम संकट झेलना पड़ रहा है।" सांसद महोदय ने अवगत करवाया कि ग्राउंड पर खाद की कमी और कालाबाजारी का माहौल बना हुआ है? स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने खाद वितरण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं बनाई। किसानों को लाठीचार्ज, लंबी कतारों और दलालों की शोषणकारी प्रणाली का सामना करना पड़ रहा है।

सांसद महोदय ने मंत्री महोदय से मांग की है कि–

टोंक–सवाई माधोपुर जिले में उर्वरक वितरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। राजस्थान सरकार से जवाब तलब किया जाए कि पर्याप्त रैक मिलने के बाद भी किसान परेशान क्यों हैं। राज्य स्तरीय उर्वरक मॉनिटरिंग कमेटी को सक्रिय किया जाए। किसानों के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की जाए। ब्लैक मार्केटिंग में शामिल अधिकारियों/डीलरों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।

ग्रामीण विकास से ही होगा देश का विकास : वन्दना आर्य

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद् सभागार में मंगलवार को 'ग्राम स्वराज के 05 साल पुस्तिका' का विमोचन तथा जिला परिषद सदस्य, प्रधान एवं सरपंचगणों का अभिनन्दन समारोह जिला प्रमुख वन्दना आर्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्वेता कोचर, उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, प्रधान दीपचन्द राहड़, संजय कस्वां, मोहनी देवी, विनोद पूनियां, निर्मला राजपुरोहित, पंकज गुप्ता, ओम सारस्वत, फतेहचन्द सोती, दौलत तंवर, सुभाष जांगिड़, जिला परिषद् सदस्य अनिता चौधरी, नौरंगलाल शिलू, राजकुमार सिहाग, मालीराम सारस्वत, ममता कंवर, कमला देवी, सुमन पूनियां, लोकराम, जगदीश प्रसाद, ममता सुण्डा, तिलोकाराम कस्वां, सुमन देवी, विमला कालवा, श्योकरण जाट, गिरधारी पारीक, दुर्गा मेघवाल, राकेश शर्मा, गोरीशंकर, नथुराम मेघवाल, औंकारमल प्रजापत आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए जिला प्रमुख वन्दना आर्य ने कहा कि ग्राम स्वराज भारत की लोकतांत्रिक परम्परा की आत्मा है। हमारे देश की विकास यात्रा ग्रामीण विकास से ही पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज प्रणाली के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं, परन्तु इन चुनौतियों का सामना करते हुए अगर हम अपनी भागीदारी निभाएं तो गांव का विकास होगा और गांव के विकास से देश विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के साथ सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छता, जल प्रबन्धन, उत्तम स्वास्थय और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की परिकल्पना को साकार करने के लिए हम सब कार्य कर रहे है। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि चूरू जिला परिषद ने ग्रामीण विकास को गति देने का काम किया है। जिला प्रमुख वन्दना आर्य के नेतृत्व में जिला परिषद् द्वारा किए गए विकास कार्यों से ग्रामीण अंचल में नए आयाम स्थापित हुए हैं। उन्होने कहा कि चूरू जिला शुष्क प्रदेश माना जाता है, परन्तु यहां के लोगों की आजीविका अपनी अलग पहचान रखती है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों की चर्चा करते हुऐ हुए कहा कि इससे प्रदेश में उद्योग तथा निवेश व रोजगार संभावनाएं बढ़ेंगी। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि ग्रामीण जन भागीदारी एक नई उर्जा का संचार करती है। हमारे गांव हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं। महात्मा गांधी ने कहा था कि जब तक गांवो का विकास नहीं होगा, तब तक देश का विकास नहीं हो सकता। इसलिए हम सब टीम भावना के साथ एकजुट होकर ग्रामीण समुदाय के लोगों के साथ मिलकर देश के विकास में अपना योगदान दें। सीईओ श्वेता कोचर ने कहा कि गांव हमारी सांस्कृतिक विरासत का आधार हैं। पिछले पांच वर्षो में जिला परिषद् ने पारदर्शिता, जबाबदेही और जन भागीदारी के साथ कार्य किया है और इसकी झलक पुस्तक में देखने को मिलेगी। इस मौके पर जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, पंकज गुप्ता, ओम सारस्वत व जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति प्रधान व अन्य उपस्थितों ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में 'आपणो चूरू : ग्राम स्वराज के 05 साल' पुस्तिका का विमोचन किया गया। संचालन हेमंत शर्मा व रवि दाधीच ने किया।

राजकीय लोहिया महाविद्यालय के आगे खुल रही है स्वच्छता अभियान की पोल

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नगरपरिषद खुद अपने 100 मीटर के एरिए को साफ सुथरा नहीं रख सकती, शहर तो दूर की बात है पीएम नरेंद्र मोदी स्वच्छ भारत के लिए चाहे जितनी बार कह दें, लेकिन चूरू नगरपरिषद के अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। यहां राजकीय लोहिया महाविद्यालय के आगे स्वच्छता अभियान की पोल खुल रही है। कॉलेज के पास रहने वाले सुलेमान मनियार ने बताया की यहां गंदगी के ढेर लगे हैं और नाला खुला पड़ा है, जिसमें कचरा भर चुका है। दुर्गंध के कारण सभी को बहुत दिक्कत हो रही है। यही हाल पुराना बस स्टैंड के पीछे गली का है। यहां खड़ा रहना भी मुश्किल है। नई सड़क, सी एम बहड़ सर्किल से सुभाष चौक के बीच गंदगी के दर्जनों ढेर देखे जा सकते हैं। इसी तरह धर्म स्तूप के पास, बिसाऊ रोड और शहर के भीतरी भाग में जगह जगह गंदगी बिखरी पड़ी है। नगरपरिषद खुद अपने 100 मीटर के एरिए को साफ सुथरा नहीं रख सकती, शहर तो दूर की बात है। स्वच्छता के मामले में जिला प्रशासन बहुत पहले से मूक दर्शक बना हुआ है। पता नहीं जिला प्रशासन को नगरपरिषद से क्या लालच है, जो अपने कर्तव्य को भी भूल गए हैं। कुल मिलाकर चूरू में प्रशासन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की व्यवस्था एवं भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है। इन्हें कोई कहने सुनने वाला नहीं है। अधिकारी चूरू का दुर्भाग्य बने हुए हैं, नहीं हैं तो फिर ये गंदगी क्यों फैली हुई है? क्या अधिकारी यहां तेल में चूरमा करवाकर आए हैं। आखिर किस लिए आए हो या भेजा गया है, जब आम जन की समस्या ही दिखाई नहीं देती है तो घर जाओ, कोई और आयेगा यहां तो.....

बनेड़ा थाने में नये थाना अधिकारी बछराज चोधरी का भव्य स्वागत

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा(रॉयल पत्रिका)। मंगलवार को पुलिस थाने प्रभारी पदभार संभालने, नवनियुक्त थाना प्रभारी बच्छ राज चौधरी का मुस्लिम समाज द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में राजस्थानी परंपरा से थाना अधिकारी बछराज चौधरी का माला व साफा बंधवाकर व मिठाई खिलाकर मुस्लिम समाज द्वारा जबरदस्त स्वागत किया गया। इस दौरान नियाज मोहम्मद सिलावट, एडवोकेट इकबाल मोहम्मद छिपा, नसीम छीपा, मुस्लिम महासभा जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह, इमरान खान पठान, इमरान अंसारी, एडवोकेट निसार छिपा, इमरान पठान सभी ने थाना प्रभारी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर सभी ने आशा व्यक्त की कि थाना अधिकारी बच्छ राज चौधरी के कार्यकाल में बनेड़ा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रहेगी, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण होगा तथा गाँव में शांति एवं सौहार्द कायम रहेगा।

उप मुख्यमंत्री बैरवा से मिला आईटी यूनियन का प्रतिनिधि मंडल

-पद सृजन की मांग पर डॉ. बैरवा ने दिया सकारात्मक आश्वासन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान अधीनस्थ कंप्यूटर कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कपिल चौधरी ने मंगलवार को राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा से शिष्टाचार मुलाकात कर राजसेस सोसाइटी के अधीन पदों को आईटी कैडर में सम्मिलित करवाए जाने एवं पूर्व में उच्च शिक्षा, आयुर्वेद, परिवहन विभाग में आईटी के पदों के सृजन के संबंध में दिए गए ज्ञापन के संबंध में अवगत कराया कि आयुर्वेद विभाग की पत्रावली वित्त विभाग द्वारा निस्तारित कर दी गई है परंतु उच्च शिक्षा एवं परिवहन विभाग की पत्रावली वित्त विभाग प्रेषित नहीं की गई है। कपिल चौधरी ने उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा को अवगत करवाया कि जिस तीव्र गति से विभाग ऑनलाइन सेवाओं की ओर अग्रसर हो रहा है, उसी अनुरूप राज्य के नागरिकों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए आईटी विशेषज्ञ कर्मियों के पदों का सृजन अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, चौधरी ने राजसेस सोसाइटी के पदों को केडर में सम्मिलित करवाए जाने पर भी जोर दिया। उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा ने ज्ञापन को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए, विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश प्रदान किए।

स्व. सेठ विश्वनाथ जी झुंझुनु वाला स्मृति सेवा शिविर सम्पन्न

-111 रोगियों की हुई ओपीडी, 23 चयनित मरीजों का शंकरा हॉस्पिटल में होगा नि:शुल्क ऑपरेशन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्वर्गीय सेठ विश्वनाथ जी झुंझुनुवाला की पुण्य स्मृति में उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का समापन हुआ। लायंस क्लब चूरू के सहयोग से आयोजित इस शिविर में शंकरा हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में कुल 111 रोगियों की ओपीडी की गई। शंकरा हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ डॉ. आफताब अंसारी ने मरीजों की गहन जांच की, जिसके उपरांत 23 जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इन सभी चयनित रोगियों का ऑपरेशन एवं उपचार जयपुर स्थित शंकरा हॉस्पिटल में किया जाएगा। शिविर प्रभारी सुनील रंजन टकणेत ने शिविर की सफलता के लिए हॉस्पिटल स्टाफ एवम सदस्यों का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि सेवा ही परम धर्म है और यह शिविर इसी भावना का प्रतीक है। शिविर के दानदाता MJF लायन चंद्रशेखर अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूज्य पिताजी स्व. सेठ विश्वनाथ जी की स्मृति में आयोजित यह सेवा कार्य उनके परोपकारी विचारों को आगे बढ़ाने का एक माध्यम है। इस सफल आयोजन में लायंस क्लब चूरू के सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दीं, जिनमें रामचंद्र राजोतिया, प्रांतीय सचिव बालकिशन राजगढ़िया, जॉन चैयरमेन चंद्रप्रकाश खत्री, सचिव संजीव कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष आकाश सोनी, उपाध्यक्ष ताराचन्द प्रजापत, उपाध्यक्ष मनोज जांगिड़, मुकुल सिगतिया, आबिद खान, राकेश सैनी, रामचन्द्र निराणिया, महेंद्र धानुका, महेन्द राजगढ़िया, रघुवीर गुरावा, कमल जांगिड़, गोविंद जी महनसरिया (पूर्व सभापति, नगर परिषद) और सकील दुरानी आदि शामिल थे। इसके साथ ही, शंकरा हॉस्पिटल की टीम से विक्रम सैनी, शेखर जयसवाल और अन्य हॉस्पिटल स्टाफ ने भी अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान की।

राष्ट्रीय स्तर की घुड़सवारी: देश भर के 120 घोड़ो ने लिया भाग

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जयप्रकाश सूर्या ने जीते 2 पदक राजस्थान के डूंडलोद में आरएपीसी पोलो ग्राउंड में 5 से 7 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा सहीत विभिन्न राज्यों से आए 120 घोड़े ने राष्ट्रीय स्तर की घुड़सवारी एंडोरेंस प्रतियोगिता में भाग लिया कोच नरपत सिंह दूधवाखारा ने बताया प्रतियोगिता में आर्मी की 61 कैवेलरी के 14 घोड़े ने भी भाग लिया जयप्रकाश सूर्या ने इस प्रतियोगिता में दो ब्रोंज मेडल इंडिविजुअल ओर टीम अपने नाम किए साथ ही अनुराधा गुप्ता, राहुल भाकर, हनुमान चौधरी और जयप्रकाश सूर्या ने 40 किलोमीटर घुड़सवारी प्रतियोगिता क्वालीफाई की है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा अधिकार मित्रों के साथ मीटिंग का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा एडीआर सेंटर सवाई माधोपुर में जिले के अधिकार मित्रों के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया। आयोजित मीटिंग में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा अधिकार मित्रों को नवीन मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार समय-समय पर विधिक सेवा कार्यक्रमों का आयोजन करने, जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में समाज के कमजोर वर्ग के लोगों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने, नालसा एवं रालसा द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के संबंध में अधिकाधिक लोगों को जानकारी प्रदान करने, प्रत्येक पीएलवी को प्रतिदिन 6 घंटे कार्य करने, पुलिस थानो, जेलों पर विजिट करके बंदियों के अधिकारों के संबंध में जानकारी प्रदान करने, बालगृहों, रेन बसेरों, बस स्टैंड पर महिला, बुजुर्गो, बच्चों के अधिकारों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा अधिकार मित्रों द्वारा पिछले 1 साल में किए गए कार्यों की रिपोर्ट लेकर उनके कार्य की समीक्षा की गई।

भाजपा ने सुशासन पखवाड़ा कार्यक्रम के लिए नियुक्त किए प्रभारी और सहप्रभारी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के 2 वर्ष सफलतम पूर्ण होने के उपलक्ष में सुशासन पखवाड़ा के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने जिला टोली एवं विधानसभा टोली की नियुक्ति निम्न अनुसार की जाती है । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि सुशासन पखवाड़ा के लिए जिला प्रभारी जगदीश अग्रवाल, जिला सहप्रभारी सुरेश चंद्र जैन,सह प्रभारी गंगाशंकर शर्मा, सवाई माधोपुर के विधानसभा प्रभारी लालचंद गौतम सहप्रभारी सत्यनारायण धाकड़, रामपाल बालोत, खंडार विधानसभा के प्रभारी बाबूलाल मीना सहप्रभारी हरिओम गर्ग, रामहरि जाट गंगापुर विधानसभा के प्रभारी विनोद अटल सहप्रभारी दीपक सिंहल, उदयसिंह गुर्जर, बामनवास विधानसभा के प्रभारी विजय प्रधान सहप्रभारी प्रेमदेवी मीणा, कृष्ण पोसवाल को नियुक्त किया ।

लग्न सगाई में दूल्हा और दुल्हन ने की नई मिसाल पेश

- पौधा लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। कल जिला मुख्यालय पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम के लग्न सगाई समारोह मे में दूल्हा और दुल्हन ने नई मिशाल पेश की। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम एवं उनकी वधु ने रिंग सेरेमनी के बाद जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की उपस्थिति में पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सगाई समारोह में जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारीगणों ने विवाह समारोह में उपस्थित होकर वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। उपस्थित अतिथियों ने वर वधु की इस पहल की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्य को सराहनीय पहल बताई ।

नवनियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह ने ग्रहण किया पदभार

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आम कार्यकर्ताओं की भावना के अनुरूप पाली जिले की कांग्रेस की कमान शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा को सौंपते हुए उन्हें जिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है।

इसी क्रम में 9 दिसंबर को कांग्रेस भवन में सर्वप्रथम केक काटकर सोनिया गाँधी का जन्मदिन मनाया गया तत्पश्चात जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह का पदग्रहण समारोह के कार्यक्रम मे पुर्व जिलाध्यक्ष अजीज दर्द ने विधिवत रूप से पदभार सौंपा। ततपश्चात सैकड़ों कांग्रेस जनो ने माला, साफा पहनाकर एवं शाँल ओढाकर स्वागत कर जिलाध्यक्ष को बधाइयाँ दी तथा साथ ही वोट चोरी व SIR को लेकर 14 दिसंबर को दिल्ली में होने जा रही महारैली की तैयारियों पर चर्चा कर रूपरेखा तय कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी एवं कांग्रेसजनो ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेकर राहुल गांधी के संगठन सुदृढ़ीकरण के प्रयासों को सफल बनाने तथा कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस मौके पर संबोधित करते हुए राजस्थान सहप्रभारी एवं एआईसीसी सचिव रितिक मकवाना ने कहा कि 14 दिसम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड़ व SIR को लेकर महारैली में अधिक से अधिक में पहूचने का आवाहन किया। एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर ने कहा कि संगठन सर्जन में राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे व राहुल गांधी ने युवाओं को अधिक महत्व देते हुए संगठन कि कमान युवाओं को सौंपी, संगीता बेनीवाल व भीमराज भाटी ने कहा की वर्तमान केन्द्र सरकार ने धर्म कि राजनीति कर केवल छलावा किया विकास कुछ नही किया हमारे राष्ट्रीय नेता देश के विकास व विकसित करने की बात करते। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो जबाबदारी दी मैं उसे कर्मठ निष्ठा पुर्वक निभाउंगा मैं हर जमीनी कार्यकर्ता को साथ लेकर संगठन में जान डालने का प्रयास करूँगा यह कहकर कांग्रेसजनो मे जोश भर दिया। इस मौके पर वरिष्ठ नेता पुखराज पाराशर, पाली जिला प्रभारी हरीश चौधरी, पाली लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल, मुन्नी देवी गोदारा, पाली विधायक भीमराज भाटी, प्रदेश महासचिव भुराराम सिरवी, प्रदेश सचिव खेत सिंह मेडतिया, पुर्व जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, प्रदेश सचिव डिम्पल राठौड़, पीसीसी सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई, हनीफ खां बारसा, शोभा सोलंकी, प्रदेश सचिव ललित बोरीवाल, मा.ज. प्रत्याशी खुशवीर सिंह जोजावर, सोजत प्रत्याशी निरंजन आर्य, सुमित्रा जैन, सुमेरपुर प्रभारी मकसूद अब्बासी, , पुर्व जिलाध्यक्ष चुन्नीलाल चाडवास, पुर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, पाली ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई, ब्यावर जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी, रोहट ब्लॉक अध्यक्ष पीराराम पटेल, बाली ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह, मारवाड़ जंक्शन लक्ष्मी नारायण तंवर, देसूरी राकेश चौहान, रानी ब्लॉक मोहन आचार्य, रोहट प्रधान सुनिता कंवर, रानी उप प्रधान शीला सिंह राजपुरोहित, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब टी, जीवराज बोराणा,पंचायत जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल, पुर्व जिला प्रवक्ता रफीक चौहान, भेरुसिंह सोनाणा, युवा जिलाध्यक्ष गोवर्धन देवासी, मांगुसिंह दूदावत, अनिल भाटी, रतन जणवा, मोती बाबा फूले, जोगाराम सोलंकी, राजेंद्र सिंह कूम्पावत, रेखा परिहार, सुरबाला काला, शोभा परिहार, ओमा चौधरी, आनंद सोलंकी, सुमेरसिंह मनवार, करणसिंह चाणौद, प्रकाश सांखला, असगर कूरैशी, गोविन्द बंजारा, मोहम्मद खान पठान, प्रकाश सोनी, आमीन अली रंगरेज, शकिल नागौरी सहित सैकड़ों कांग्रेसजनो मे उत्साह व उमंग व जोश था। मंच संचालन पीसीसी सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई ने किया। सभी पधारे अतिथियों का मोमेंटो भेटकर स्वागत सत्कार किया।

गीतांजली हॉस्पिटल में फेफड़ों के कैंसर का निदान एवं उपचार पर हुआ विशेष संगोष्ठी का आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका) । गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में गीतांजली कैंसर सेंटर और डिपार्टमेंट ऑफ रेस्पिरेटरी एंड पल्मोनरी मेडिसिन द्वारा "फेफड़ों के कैंसर का निदान एवं उपचार" विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में फेफड़ों के कैंसर से जुड़े विभिन्न पहलुओं—जैसे निदान की चुनौतियाँ, EBUS की भूमिका, आधुनिक उपचार पद्धतियाँ, सर्जिकल अप्रोचेस और रेडियोथेरेपी के महत्व—पर विशेषज्ञ वक्ताओं डॉ. गौरव छाबड़ा, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. रेनू मिश्रा, डॉ. आशीष जखेटीया और डॉ. रमेश पुरोहित ने विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित डॉक्टरों और रेसिडेंट्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. (प्रो.) हरप्रीत सिंह ने बताया कि ऐसी शैक्षणिक गतिविधियाँ डॉक्टरों को नवीनतम चिकित्सा तकनीकों से जोड़ती हैं और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। संगोष्ठी में जीएमसीएच के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, पीजी, रेसिडेंट और जूनियर डॉक्टर उपस्थित रहे।

यूनिसेम एग्रीटेक लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा कल

मुंबई, एजेंसी। यूनिसेम एग्रीटेक लिमिटेड, जो सब्जियों, फूलों और फील्ड क्रॉप्स के लिए विविध प्रकार के हाइब्रिड बीजों के विकास, प्रोसेसिंग और बिक्री के क्षेत्र में कार्यरत है, अपना इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग बुधवार, 10 दिसंबर 2025 को खोलने जा रहीं है। इस आईपीओ के माध्यम से 21.45 करोड़ जुटाने का लक्ष्य है और इसके शेयर ब्रस्ध स्स्ध प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।आईपीओ से प्राप्त शुद्ध धन का उपयोग वर्किंग कैपिटल आवश्यकताओं को पूरा करने, कंपनी द्वारा ली गई बैंक सुविधाओं की अदायगी, और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर निवेशकों के लिए इश्यू 09 दिसंबर 2025 को खुलेगा, जबकि पब्लिक इश्यू 10 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक खुला रहेगा। इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर गेटफाइव एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है और इश्यू का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड है। यूनिसेम एग्रीटेक लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एच. एन. देवकुमार ने कहा- हमारी यात्रा कृषि विज्ञान, गुणवत्ता की स्थिरता और किसान-केंद्रित सेवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता द्वारा परिभाषित हुई है। वर्षों से, हमने अपनी ब्रिडिंग क्षमताओं का निरंतर विकास किया है ताकि विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जा सके। मजबूत आरएंडडी आधार और आधुनिक प्रोसेसिंग इंफास्ट्रक्चर के साथ हमारी एकीकृत बीज मूल्य श्रृंखला हमें श्रेष्ठ फसल प्रदर्शन और हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

सैमसंग सीईएस 2026 के 'द फर्स्ट लुक' इवेंट में अपने डीएक्स डिवीज़न की घोषणा करेगा

मुंबई, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 4 जनवरी को विन लास वेगास के लटूर बॉलरूम में शाम 7 बजे पीएसटी [5 जनवरी को सुबह 8:30 बजे आईएसटी] द फर्स्ट लुक का आयोजन करेगा। यह इवेंट दुनिया के सबसे बड़े आईटी और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो सीईएस 2026 के उद्घाटन से दो दिन पहले होगा। इसमें कंपनी 2026 में डिवाइस एक्सपीरियंस (डीएक्स) डिवीज़न के लिए अपने विजन को पेश करेगी, साथ ही नए एआई-संचालित ग्राहक अनुभव भी दिखाये जाएंगे। डिवाइस एक्सपीरियंस (डीएक्स) डिवीज़न के सीईओ और प्रमुख टीएम रोह द फर्स्ट लुक के मुख्य वक्ता होंगे। विजुअल डिस्प्ले (वीडी) बिजनेस के प्रेसिडेंट और हेड एसडब्ल्यू यॉन्ग, तथा डिजिटल एप्लायंसेज (डीए) बिजनेस के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और हेड चेओलगी किम भी मंच पर उपस्थित होकर आगामी वर्ष के लिए अपनी-अपनी बिजनेस दिशाओं को साझा करेंगे।

76 से टूटकर 1 पर आ गया वैंटेज नॉलेज अकादमी का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक वैंटेज नॉलेज अकादमी लिमिटेड के शेयर इस साल अब तक निवेशकों का तगड़ा नुकसान करा दिया है। कंपनी के शेयर इस साल वाईटीडी में अब तक 98 प्रतिशत तक टूट गए हैं। इस दौरान इसकी कीमत 76 रुपये (जो कि 10 जनवरी का बंद प्राइस है) से गिरकर 1.52 रुपये पर आ गया है। बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर में 5 पर्सेंट का लोअर सर्किट लगा था और यह 1.52 रुपये पर आ गया था। हालांकि, इससे पहले इस शेयर ने अपने निवेशकों का मुनाफा भी कराया है। इस शेयर का एक समय मल्टीबैगर रिटर्न रहा था। फरवरी और मार्च 2025 में 2:1 बोनस शेयर इश्यू के बाद इसकी कीमत 44-45 तक पहुंच गई थी। तब से इसमें लगातार गिरावट है। दिसंबर 2025 में इस शेयर की कीमत लगभग 1.52 प्रति शेयर है। रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान पिछले 6 महीने में करीब 85 प्रतिशत की गिरावट आई है। कुल मिलाकर, जो निवेशक पहले सस्ते दाम पर खरीद चुके थे और बोनस-शेयर के समय बेच दिए थे, उन्हें अच्छा रिटर्न मिला। लेकिन अब शेयर बहुत गिर चुका है और यदि किसी ने हाल में खरीदा है, तो यह भारी घाटे का कारण बन सकता है।

वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेल प्रकोष्ठ की प्रेस वार्ता आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मंगलवार 09 दिसंबर 2025 को प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान ने बताया की आगामी 14 दिसंबर को राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित होने वाली वोट चोर - गद्दी छोड़ महारैली के संदर्भ में जयपुर पीसीसी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर महारैली में शामिल होने की रुपरेखा बताई।

अमीन पठान ने बताया की एक हजार से अधिक लोग खेल प्रकोष्ठ से जुड़े लोग भाग लेंगे। साथ ही प्रदेश एव जिला स्तर पर कार्यकारिणी भी गठित की गयी जिसमें उपाध्यक्ष रफिक मोहम्मद दाऊद कुरैशी, मुकेश काठात,अजीज भाई चीता, दिनेश कुमार सैनी, प्रदेश संगठन महासचिव रवि कुमार सिगदार उपाध्यक्ष अजीज चिता , मुकेश काठात महासचिव नेमी गुर्जर , ज्ञानू जगीना, राघव शर्मा, प्रदेश सचिव रज्जाक काठात, सलमान लाला कुरैशी, विष्णु प्रसाद डांगी, मनिंदर सिंह सांखला, प्रचार एवं सचिव राजकुमार शर्मा, लक्ष्मी नारायण सैनी, प्रचार मंत्री सहसचिव संजीव गर्ग, कार्यलय मंत्री नरेश शर्मा सह कार्यालय मंत्री वसीम खान जालूपुरा एवं जिला अध्यक्षों में (जयपुर शहर) रमेश सैनी (सीकर) पंकज रेपसवाल (अजमेर शहर) निमेश चौहान (ब्यावर) फिरोज काठात (हनुमानगढ़) सलीम भाटी रोडावाली(भरतपुर)राजेश कुमार जाटव(डीग) मेहमूदा खान (कोटा ग्रामीण) दयाराम बंजारा टीटू (बाड़मेर) जयमल सिंह परिहार(जयपुर पूर्व) मुकेश कुमार मीणा आदि को प्रदेश एवं जिले में जिम्मेदारी दी गई।

मंडावर 220 केवी ग्रिड पर 200 MVA ट्रांसफॉर्मर का विधायक राजेन्द्र ने किया शुभारंभ

महुआ/दौसा (रॉयल पत्रिका)। मंडावर स्थित 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन पर क्षेत्रीय किसानों और आमजन को लंबे समय से मिल रही बाधित बिजली आपूर्ति को स्थायी रूप से सुधारने के उद्देश्य से लगाया गया 200 एमवीए क्षमता का विशाल ट्रांसफॉर्मर का रविवार को क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र मीना ने विद्त विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं तथा भारी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों की मौजूदगी में विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया। करीब 10-12 दिनों से चल रहे इस महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही, लेकिन राज्य सरकार ने महवा विधानसभा सहित इस ग्रिड से जुड़े दौसा, करौली, भरतपुर और अलवर के कुछ हिस्सों में रहने वाले उपभोक्ताओं की परेशानी को समझते हुए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप यहाँ पहले से लगे 100 एमवीए ट्रांसफॉर्मर के साथ अब कुल 300 एमवीए की मजबूत क्षमता उपलब्ध हो गई है, जिससे बिजली व्यवधान, ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आयेगी। विधायक राजेन्द्र ने इसे मंडावर के लिये गर्व का अवसर बताते हुए कहा कि यहाँ का 220 केवी ग्रिड केवल स्थानीय क्षेत्र नहीं बल्कि तीन से चार

जिलों की जीवन रेखा है। उन्होंने बताया कि झाँसी से आया यह 200 एमवीए ट्रांसफॉर्मर राज्य कैबिनेट व ऊर्जा मंत्री के प्रयासों से मिली बड़ी सौगात है, जिसमें विभागीय अधिकारियों, जिला प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों ने निरंतर सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि स्थापना कार्य के दौरान उन्होंने स्वयं निरीक्षण कर संबंधित टीम को शीघ्रता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये थे और आज क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत मिली है। ट्रांसफॉर्मर के शुरू होते ही जेवीवीएनएल मंडावर ने किसानों को दिन में ही थ्री-फेज सप्लाई उपलब्ध कराने की नई व्यवस्था लागू कर दी है। कुल चार फीडरों को दो ब्लॉकों में बाँटते हुए एक ब्लॉक में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक और दूसरे ब्लॉक में दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक निर्बाध सप्लाई दी जायेगी, जिससे किसानों को रात में ठंड में सिंचाई करने की मजबूरी खत्म होगी और बिजली संकट का दबाव कम होगा। इस बड़े प्रोजेक्ट को पिछले पन्द्रह दिनों से झाँसी से आये तकनीशियनों, कंपनी प्रतिनिधियों तथा विभाग की स्थानीय टीम ने लगातार रुककर पूरा अंजाम दिया और आज क्षेत्र के किसान तथा आमजन राहत व खुशी का अनुभव कर रहे हैं। जयपुर विद्त प्रसारण निगम लिमिटेड मंडावर के एईएन प्रमोद मीना ने बताया कि 200 एमवीए क्षमता जुड़ने से ग्रिड की वहन क्षमता कई गुना बढ़ी है, जिससे पहले होने वाली ओवरलोडिंग व ट्रिपिंग जैसी समस्याएँ अब नियंत्रित रहेंगी और कृषि व घरेलू उपभोक्ताओं दोनों को स्थिर, गुणवत्तापूर्ण बिजली सप्लाई मिलेगी। इस अवसर पर राजस्थान विद्त प्रसारण निगम लिमिटेड भरतपुर के एसई राजेन्द्र मीना, एक्सईएन रामखिलाड़ी मीना, एईएन प्रमोद मीना, सरदारसिंह मीना, चन्द्रभान साहू, जेईएन गुलाबसिंह सैनी सहित भाजपा मंडल महामंत्री सोनू वशिष्ठ, मीडिया संयोजक मुकेश साहू, उपाध्यक्ष कृष्णमोहन शर्मा, लल्लूराम मीना, प्रदीप नांगल, महेश मीना तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण व विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी बारां जिला कार्यकारिणी की घोषणा

बारां (रॉयल पत्रिका) । भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार तथा भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया एवं बारां-झालावाड़ सांसद दुष्यंत सिंह की सहमति से मंगलवार 09 दिसंबर को अभिजीत मुहूर्त में जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। जिला अध्यक्ष ने बताया कि नव घोषित कार्यकारिणी पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करते हुए आगामी राजनीतिक एवं सामाजिक अभियानों को गति प्रदान करेगी। घोषित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी में उपाध्यक्ष निर्मल माथोडिया, जयेश गालव, गोविंद सिंह चौहान, मुकेश केरवालिया, देवेंद्र शर्मा,रूप सिंह लोधा, हेमंत नागर, महामंत्री, लक्ष्मीनारायण केरवालिया, राकेश जैन, श्रीमती सारिका सिंह चौहान, जिला मंत्री, श्रीमती संजना मीणा, राज सिंह चौधरी, उषा कुशवाह, उपेंद्र शर्मा, मुकेश राठौर, विष्णु गुप्ता, हरिप्रकाश गुर्जर, कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष बजरंग लाल मालव, प्रकोष्ठ संयोजक, पृथ्वीराज मीणा ,अमर सिंह भील, कैलाश शर्मा, मीडिया संयोजक, सचिन सनाढ्य, मीडिया सहसंयोजक, भगवती बेरवा, रामसागर मेघवाल, सोशल मीडिया जिला संयोजक रोहित नायक सरकार सोशल मीडिया जिला, सहसंयोजक अमित गौतम, श्रीमती श्वेता अदलखा, आईटी सेल जिला संयोजक रीतिक सुमन, आईटी सेल जिला सहसंयोजक, प्रवीण गालव, राजमल मेहता, जिला प्रवक्ता, योगेश राजोरा, भानु प्रताप सिंह रहलाई, गिर्राज नागर, राजेंद्र तोमर, कार्यालय प्रमुख धनराज चौरसिया, कार्यालय मंत्री धीरेंद्र नागर विशेष आमंत्रित सदस्य, सांसद दुष्यंत सिंह नगर पालिका के पूर्व चेयरमेन यशभानु जैन, रामस्वरूप यादव वरिष्ठ नेता प्रेमनारायण सोनी पूर्व जिला अध्यक्ष आनंद गर्ग, चंद्रप्रकाश विजय, जगदीश मीणा नंदलाल सुमन, राजेंद्र नागर भरत बाठला विधायक राधेश्याम बेरवा, प्रताप सिंह सिंघवी, ललित मीणा वरिष्ठ नेता हिम्मत सिंह सिंघवी प्रधान मोरपाल सुमन, प्रखर कौशल, हरिओम नागर, नरेश मीणा नगर पालिका चेयरमेन रामेश्वर खंडेलवाल व के सी जैन अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ मजिद मलिक कमांडो, पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजीव भारद्वाज पूर्व विधायक हेमराज मीणा, रामपाल मेघवाल, नंदलाल मीणा, कंवरलाल मीणा पूर्व पालिका अध्यक्ष अमित चोपड़ा,ओम नागर,अनीता पोरवाल पूर्व प्रधान शिवराज सिंह हाडा, श्रीमती संजना मीणा, श्रीमती मंजू दाधीच, शांतिलाल मेघवाल, प्रेम शंकर गालव, गिरिराज नागर नागरिक बैंक के अध्यक्ष हरगोविंद जैन, पूर्व प्रधान अजीत सिंह माथनी, वरिष्ठ नेता दिनेश यादव, सीएडी अध्यक्ष सुनील गालव को नियुक्त किया।

समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने दिए समस्याओं के दिए त्वरित समाधान के निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें जिले में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता व आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा की गई। मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर तोमर ने सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी आमजन से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल करते हुए पोर्टल पर इसकी समयबद्ध तरीके से इसकी प्रगति दर्ज करें। बैठक में जिला कलक्टर ने आमजन की सहूलियत के लिए ई-फाईल की व्यवस्था को और सुचारू करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सजगता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिले में बिजली, पानी, चिकित्सा, सड़क व शिक्षा से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी लेते हुए इनके निस्तारण में की गई कार्यवाही में प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्पर्क पोर्टल सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतें 90 दिन से अधिक समय तक

लंबित नहीं रहें। इस दौरान उन्होंने समन्वय पोर्टल पर विभागीय कार्यों के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। बैठक में उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों व इसमें अब तक की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए संबंधित विभाग अपने दायित्वों को गंभीरता के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों में आमजन की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। बैठक में एडीएम भंवरलाल जनागल, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जिला युवा कांग्रेस बारां की संगठनात्मक बैठक संपन्न

-हर घर तक कांग्रेस पोस्टर का किया विमोचन

-विधायक अन्ता प्रमोद जैन भाया का मनाया जन्मदिन

बारां (रॉयल पत्रिका)। युवा कांग्रेस का संकल्प अभियान "हर घर तक" के पोस्टर का विमोचन जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बारां पर किया गया इसके आगामी 14 दिसंबर को कांग्रेस की नई दिल्ली में आयोजित "वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में जाने के लिए दी गई कांग्रेसजनों को जिम्मेदारियां प्रदान की गई। इसके उपरान्त अन्ता विधानसभा विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगल कामना कांग्रेसजनों द्वारा की गई। यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष चेरब सक्सेना व सूरज हाड़ा ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि कोटा संभाग प्रभारी राहुल पुनिया, प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रभारी संगठन अरबाब खान रहे। जिला युवा कांग्रेस बारां की बैठक युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष यश जैन भाया के निर्देश अनुसार संपन्न हुई। बैठक में युवा कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के निर्देश अनुसार संकल्प अभियान के तहत हर घर तक आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु जागरूकता अभियान के पोस्टर का विमोचन कर इस अभियान का शुभारंभ किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने कहा कि युवा कांग्रेस के सभी जिम्मेदार पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिले के प्रत्येक गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में जाकर आमजनता की समस्याओं से रूबरू होंगे और उनके निराकरण के लिए जागरूकता अभियान के तहत

स्थानीय प्रशासन को अवगत करवाते हुए निदान की मांग करेंगे। इसी के साथ ही आगामी 14 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में बारां जिले से जाने हेतु उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को 500 युवा साथियों के साथ दिल्ली महारैली में पहुंचने के लिए निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश सचिव यश गौतम, प्रदेश सचिव आलोक घिंठाला, प्रदेष सचिव सिद्धार्थ जांगीड, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दिनेष गुर्जर, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय बैरवा, पूर्व लोकसभा महासचिव कपिल माथोडिया, जिला महासचिव साजिद हुसैन, अंता विधानसभा अध्यक्ष चेतन गौत्तम, युवा नेता हिमांषु मीणा, मुदित पाठक, दीपक गुर्जर, गोकुल पंकज, राजा खान, मनीष मीणा, मिक्की मीणा, दीपक धाकड़ मांगरोल, लवी शर्मा, चेतन शर्मा, निक्की खटीक सहित अनेक युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोरपाल सुमन की धन्यवाद यात्रा लगातार जारी

बारां (रॉयल पत्रिका) । अंता मांगरोल उपचुनाव समाप्त होने के बाद से भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन लगातार गांव में जाकर आम जनता की समस्या सुनकर समाधान कर रहे हैं एवं उपचुनाव में साथ समर्पण और मतदान के लिए धन्यवाद देकर आभार व्यक्त कर रहे हैं मंगलवार को सुमन ने गुलाबपुरा, गोपालपुरा, अमलसरा, आमा की झोपड़ियां, नागदा की झोपड़ियां, नागदा, लदवाड़ा, रायपुरिया, भोज्याखेड़ी, विशालखेड़ी, अंता नगर मे पहुँचकर ग्रामवासी से मिलकर धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया इस अवसर पर अंता पालिका चेयरमेंन रामेश्वर खंडेलवाल, राहुल नागर अंता देहात मंडल अध्यक्ष,

अंता शहर अध्यक्ष रोहित नंदवाना,वरिष्ठ नेता बजरंग नागर काका, शिवराज सिंह नागदा, मंडल महामंत्री सेमेंद्र मिश्रा, देवेन्द्र चौधरी ,निर्मल मेहता, कमल सुमन, दीपक सुमन, दिनेश वैष्णव सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता पदाधिकारी व सर्मथक मौजूद रहे।

दादा ने गिरवी रख दिया घर...पोते ने सिर्फ 1 लाख से खड़ी कर दी 60 लाख सालाना कमाने वाली कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।

हैदराबाद के उद्यमी विश्वनाथ अकुथोटा की कहानी केवल एक सफल स्टार्टअप की नहीं है। इसके बजाय यह एक पीढ़ी के त्याग और इनोवेशन की विरासत है। डॉ. पिनेकल के संस्थापक विश्वनाथ आज एआई और साइबर सुरक्षा के टॉप एडवाइजर हैं। उनकी कंपनी डॉ. पिनेकल एआई सिस्टम का ऑडिट और सुरक्षा करती है। उन्होंने यह सफर सिर्फ 1 लाख रुपये की पूंजी से शुरू किया था। आज बिना किसी बाहरी फंडिंग के वह सालाना 60 लाख रुपये तक कमा रहे हैं। डॉ. पिनेकल को एआई का डॉक्टर कहा जाता है। आइए, यहां विश्वनाथ अकुथोटा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विश्वनाथ का बचपन तेलंगाना के एक छोटे से जिले में सादगी से बीता, जहां उनके पिता बीएसएनएल कर्मचारी थे। परिवार किराए से अतिरिक्त आय कमाता था। उनका

शिक्षा के प्रति जुनून बहुत गहरा था। 2014 में उन्हें अमेरिका से मास्टर डिग्री हासिल करने का मौका मिला। उनके दादाजी ने पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए परिवार का घर गिरवी रख दिया। विश्वनाथ इस बलिदान को कभी नहीं भूले। अमेरिका में सालों काम करने और 20 लाख सालाना कमाने के बाद विश्वनाथ को एहसास हुआ कि वह केवल चेक भुनाने से खुश नहीं हैं। वह अपने ज्ञान और अनुभव को कई संगठनों की सेवा में लगाना चाहते थे। इसी इच्छा ने उन्हें वापस भारत आने और डॉ. पिनेकल की नींव रखने के लिए प्रेरित किया ताकि वह एआई को सुरक्षित और नैतिक बना सकें।

2020 में शुरू किया बिजनेस

डॉ. पिनेकल हैदराबाद स्थित एआई कंसल्टिंग फर्म है। इसकी स्थापना पांच साल पहले विश्वनाथ अकुथोटा ने एआई सिस्टम के सत्यापन, शासन और सुरक्षा के लिए की थी। जैसे किसी कंपनी के वित्तीय ऑडिट की जरूरत होती है, उसी तरह एआई सिस्टम को भी नियमित सत्यापन और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। एआई आधुनिक जीवन की रीढ़ है। विश्वनाथ ने इस कंपनी का नाम डॉ. पिनेकल इसलिए रखा, क्योंकि पिनेकल का अर्थ सर्वोच्च शिखर होता है। उनका काम एआई मॉडल को शीर्ष पर और स्वस्थ रखना है। विश्वनाथ का स्टार्टअप एआई मॉडल सत्यापन, एआई के लिए साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन समाधान और क्वांटम कंप्यूटिंग अनुसंधान जैसी उन्नत सेवाएं प्रदान करता है। जहां ज्यादातर स्टार्टअप फंडिंग के पीछे भागते हैं। वहीं, विश्वनाथ ने अपने वेंचर की शुरुआत बूटस्ट्रैप तरीके से की। विश्वनाथ ने वेबसाइट और ब्रांड रजिस्ट्रेशन के लिए सिर्फ 1 लाख का निवेश किया। उन्होंने लगभग दो साल तक अकेले काम किया। उनका टर्निंग पॉइंट तब आया जब 2020 में कोरोना महामारी के दौरान वह नौकरी की तलाश में एक इंटरव्यू के लिए गए। वहां उन्होंने खुद को नौकरी के बजाय एक एआई कंसल्टेंट के रूप में पेश किया। वह मीटिंग उनका पहला ग्राहक लेकर आई। इस क्लाइंट ने दो साल तक उनके साथ काम किया और रेफरल दिए। इससे स्टार्टअप को विश्वसनीयता बनाने में मदद मिली।

ब्लॉपंक्ट ने कार इन्फोटेनमेंट एवं कार एक्सेसरीज के लिए बीपीआईएन प्राइवेट लिमिटेड के साथ ब्रांड पार्टनरशिप को 15 वर्षों के लिए बढ़ाया

भोपाल, एजेंसी।

कार इन्फोटेनमेंट एवं ऑडियो एक्सेसरीज के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद नाम ब्लॉपंक्ट ने बीपीआईएन प्राइवेट लिमिटेड के साथ अपनी पार्टनरशिप को 2041 तक बढ़ाने का एलान किया है। यह इनोवेशन, भरोसे एवं भारतीय कस्टमर्स को विश्वस्तरीय ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्रदान करने के साझा विजन पर बने 27 साल के गठजोड़ को आगे बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

रीन्यू किए गए इस एग्रीमेंट से भारत के तेजी से बदलते ऑटोमोटिव इकोसिस्टम को लेकर ब्लॉपंक्ट की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है। साथ ही यह प्रमुख ग्रोथ पार्टनर के रूप में बीपीआईएन की भूमिका को रेखांकित करता है। कार ऑडियो एवं कार एक्सेसरीज दोनों को कवर करने वाली इस

पार्टनरशिप का उद्देश्य ओईएम एवं आफ्टर मार्केट गठजोड़ को बढ़ाना है, जिससे उत्पादों की उपलब्धता बेहतर हो और हाई परफॉर्मेंस इन्फोटेनमेंट सिस्टम की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।बीपीआईएन प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पंकज जगवानी ने कहा, 'ब्लॉपंक्ट के लिए भारत सबसे रोमांचक एवं संभावनाओं वाला बाजार बना हुआ है। यह कदम भारतीय ग्राहकों को वैश्विक इनोवेशन उपलब्ध कराने के हमारे साझा मिशन का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य ब्लॉपंक्ट को परफॉर्मेंस, भरोसा एवं प्रीमियम क्वालिटी चाहने वाले ओईएम एवं कार मालिकों के लिए पसंदीदा विकल्प बनाना है।

ब्लॉपंक्ट मुख्यालय की तरफ से डायरेक्टर लाइसेंसिंग थॉर्स्टन गेबहार्ट ने कहा, 'बीपीआईएन के साथ रीन्यू की गई यह पार्टनरशिप भारत में हमारी पार्टनरशिप की मजबूती दर्शाती है। करीब तीन दशक में बीपीआईएन ने दुनिया के सबसे डायनामिक ऑटोमोटिव मार्केट में शुमार भारत में क्वालिटी, इनोवेशन एवं ग्राहकों के भरोसे के मामले में ब्लॉपंक्ट की मजबूत छवि बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस विस्तार के साथ हम न केवल अपनी साझा विरासत एवं दोस्ती का जश्न मना रहे हैं, बल्कि भारत में स्मार्ट, कनेक्टेड इन-कार इन्फोटेनमेंट एवं एक्सेसरीज सॉल्यूशंस की नेक्स्ट जनरेशन के लिए रास्ता भी तैयार कर रहे हैं।

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया गैलेक्सी टैब ए11++, मिलेगा काम करने, सीखने और मनोरंजन का स्मार्ट अनुभव

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी टैब ए11+ लॉन्च करने की घोषणा की। यह ज्यादा से ज्यादा यूजर्स को तेज एवं पावर-एफिशिएंट परफॉर्मेंस देने के लिए प्रमुख एआई क्षमताओं को पेश करता है, जो मल्टीटास्किंग के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं। गैलेक्सी टैब ए11+ में इंटेलिजेंट फीचर्स के साथ ही 11-इंच का शानदार डिस्प्ले और खूबसूरत मेटल डिजाइन दी गई है। गैलेक्सी टैब ए11+ स्ट्रीमिंग और डिजिटल लर्निंग के लिए स्मूथ स्क्रॉलिंग और शानदार व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है। डिस्प्ले को क्वाड स्पीकर के साथ डोल्बी एटमॉस सपोर्ट मिला है, जो मूवीज, म्यूजिक और ऑनलाइन लर्निंग के लिए समृद्ध, संतुलित ऑडियो देता है। डिवाइस में 3.5 एमएम ऑडियो जैक का सपोर्ट भी है जो उपयोगिता को बढ़ाता है। 8एमपी रियर कैमरा और 5 एमपी के फ्रंट कैमरा क्लियर वीडियो कॉल्स, डॉक्यूमेंट स्कैनिंग और शार्प कंटेंट कैप्चर को संभव बनाते हैं। इससे छात्रों, क्रिएटर्स और परिवारों के लिए जुड़े रहना और उत्पादक बने रहना आसान हो जाता है। साग्निक सेन, डायरेक्टर, एमएक्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, सैमसंग में, हम रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने वाले सार्थक इनोवेशंस तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गैलेक्सी टैब ए11+ के साथ, हम भारत में ज्यादा से ज्यादा यूजर्स तक शक्तिशाली एआई क्षमताएं, प्रीमियम डिजाइन और विश्वसनीय ऑल-डे परफॉर्मेंस ला रहे हैं।

टीवी अभिनेता गौरव खन्ना ने जीता बिग बॉस 19

अभिनेता गौरव खन्ना लोकप्रिय रियलिटी टीवी शो बिग बॉस सीजन 19 के विजेता बन गए हैं और उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी फरहाना भट्ट को हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। शो के मेजबान एवं बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने खन्ना को 50 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि और ट्रॉफी प्रदान की। खन्ना ने एक साक्षात्कार में कहा, मुझे बहुत प्यार मिला। मुझे जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह है कि मैं जरा भी नहीं बदला। मैं वैसा ही हूं, जैसा घर (बिग बॉस घर) में जाने से पहले था और लोगों को यही गुण बहुत पसंद आते हैं। मैं ना तो बदला और ना ही मैंने कुछ बनावटी किया। अनुपमा और सीआईडी में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर टीवी कलाकार ने कहा कि उनके लिए अहम मोड़ तब आया जब सलमान खान ने उनके साथ काम करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, उस समय मैं इतना खुश था कि अपने आंसू रोक नहीं पाया। यह पूछे जाने पर कि वह जीती हुई राशि का क्या करेंगे, खन्ना ने कहा कि वह अपनी एमबीए डिग्री का लाभ उठाएंगे और उसे बुद्धिमानी से निवेश करेंगे।

फिल्म वा वाथियार की शूटिंग से एक रात पहले मैंने आत्मा देखी

कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म 'वा वाथियार' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, 'मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है। 'कृति ने कहा, ''मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था।'' उन्होंने बताया, ''शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता।

शर्मिला टैगोर

ने सुपरस्टार्स के साथ जोड़ी बनाकर बॉलीवुड में पाया मुकाम

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिला टैगोर का नाम सुनते ही दर्शकों के दिमाग में हिट फिल्में, खूबसूरत मुस्कान और सुपरस्टार्स के साथ उनकी शानदार जोड़ी याद आती है। शर्मिला ने अपने करियर में सिर्फ अभिनय के लिए ही नहीं बल्कि अपने आकर्षक अंदाज और ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, शशि कपूर और अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार्स के साथ उनकी जोड़ी हमेशा लोगों की पसंदीदा रही। उनका यह अनोखा फैक्टर उनकी फिल्मों को सुपरहिट बनाने में मदद करता रहा और उन्हें बॉलीवुड की यादगार अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। उन्होंने अपने सिने करियर की शुरुआत केवल 13 साल की उम्र में बंगाली फिल्म 'अपुर संसार' से की, जिसे प्रसिद्ध निर्देशक सत्यजीत रे ने बनाया था। इस फिल्म में शर्मिला ने छोटी उम्र की दुल्हन की भूमिका निभाई थी। बंगाली फिल्मों में लगभग पांच साल काम करने के बाद उन्हें बॉलीवुड में आने का अवसर मिला। उन्होंने 1964 में शक्ति सामंत की फिल्म 'कश्मीर की कली' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में शम्मी कपूर के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आई और उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर पहचान मिली।

कार्तिक आर्यन की हर फिल्म हुक स्टेप वायरल, सलमान खान भी फिदा

बॉलीवुड स्टार सलमान ख़ान ने रियलिटी शो बिग बॉस के फिनाले में कार्तिक आर्यन की तारीफ़ करते हुए कहा कि उनकी हर फिल्म का हुक स्टेप वायरल हो जाता है। बिग बॉस के ग्रैंड फिनाले में कार्तिक आर्यन ने अपनी अपकमिंग क्रिसमस रिलीज़ 'तू मेरी, मैं तेरा मैं तेरा, तू मेरी' के प्रोमोशन के लिए अनन्या पांडे के साथ शिरकत की। स्टेज पर आते ही माहौल और भी जोश भरा हो गया। इसी दौरान सलमान ख़ान ने कार्तिक की लगातार मिल रही डांस हिट्स की जमकर तारीफ़ करते हुए कहा कि आपकी हर फिल्म का एक हुक स्टेप होता है, जो वायरल हो ही जाता है।सलमान की इस बात से सारा मंच तालियों से गूँज उठा, और फिर दोनों ने मिलकर कार्तिक की आने वाली फिल्म के गाने 'हम दोनों' का हुक स्टेप किया। इसे देखकर दर्शक झूम उठे और सोशल मीडिया पर इस डांस का क्लिप देखते ही देखते वायरल हो गया। कार्तिक आर्यन ने बीते कुछ सालों में लगातार ऐसे हुक स्टेप्स दिए हैं, जिन्हें इंटरनेट ने दिल खोलकर अपनाया है। उनके लगभग हर गाने ने एक नया ट्रेंड बनाया है। फिलहाल इस क्रिसमस उनकी रिलीज़ होने जा रही इस फिल्म के दो गाने पहले ही ट्रेंड में हैं।

शुभांगी को ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

अनुपम खेर निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तन्वी द ग्रेट को सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार भी मिला, जिसका श्रेय खेर, अभिषेक दीक्षित और अंकुर सुमन के संयुक्त लेखन को दिया गया। यह कार्यक्रम छह दिसंबर को आयोजित हुआ।शुभांगी ने एक बयान में कहा, विश्वास नहीं हो रहा कि यह पुरस्कार जीत लिया और ए बहुत खास अनुभव है। तन्वी के किरदार के लिए ईमानदारी, संवेदनशीलता, अनुशासन और दृढ़ता की मांग की थी, और मैं आभारी हूं कि दुनिया भर के दर्शकों ने इस फिल्म और इसके खूबसूरत संदेश से जुड़ाव महसूस किया। मैं अनुपम सर की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर विश्वास किया, मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण किरदार दिया। यह स मान हमारी पूरी टीम का है पद्म भूषण से स मानित अनुपम खेर की निर्देशन में वापसी वाली यह फिल्म एक युवा ऑटिस्टिक महिला (जिसमें दत्त ने भूमिका निभाई है) की भावनात्मक यात्रा और दुनिया के सबसे उंचे युद्धक्षेत्र - सियाचिन में भारतीय तिरंगे को स मान देने के अपने दिवंगत पिता के सपने को साकार करने के उसके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। खेर ने कहा, शुभांगी इस जीत की पूरी तरह से हक़दार है, क्योंकि उन्होंने तन्वी के किरदार में पूरी ईमानदारी से जान डाल दी।

जन्मदिन मुबारक हो, मेरे प्रिय धरम जी : हेमा मालिनी

अभिनेता धर्मेंद्र के 90वें जन्मदिन पर उनकी पत्नी हेमा मालिनी ने उन्हें बेहद भावुक अंदाज में याद किया। धर्मेंद्र का 24 नवंबर को उनके जुहू स्थित आवास पर 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। धर्मेंद्र की पत्नी एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर धर्मेंद्र के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं..आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे...हेमा ने कहा कि उनके साथ बिताई जीवन की खुशनुमा यादें कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को फिर से याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है। आपके साथ बिताए खूबसूरत वर्षों के लिए भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की शादी 1980 में हुई थी। उनकी दो बेटियां ईशा और अहाना हैं।धर्मेंद्र के बेटे एवं अभिनेता सनी देओल ने भी अपने दिवंगत पिता को याद किया। सनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, आज मेरे पापा का जन्मदिन है। पापा हमेशा मेरे साथ, मुझमें मौजूद हैं। आपसे बेहद प्यार है पापा। आपकी बहुत याद आती है। सनी देओल, धर्मेंद्र और उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर की संतान हैं।

2025 में सबसे ज्यादा सुना गया दो पत्ती का 'रांझण' गाना

कनिका ढिल्लों और कृति सैनन निर्मित फिल्म दो पत्ती का गाना रांझण स्पॉटिफाई इंडिया का 2025 का सबसे ज्यादा सुना गया गाना बन गया है। कहानीकार और निर्माता कनिका ढिल्लों एक और बड़ी उपलब्धि का जश्न मना रही हैं। उनकी हालिया नेटफ्लिक्स थ्रिलर फिल्म दो पत्ती, जो 2024 की सबसे ज्यादा स्ट्रीम की गई फिल्म भी रही, का दिल छू लेने वाला सॉन्ग रांझण अब स्पॉटिफाई इंडिया पर 2025 का सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया गया गाना बन गया है। रांझण, जिसमें परंपरा टंडन की दिलकश आवाज़, सचेत-परंपरा का संगीत और कौसर मुनीर के खूबसूरत बोल हैं, पूरे साल प्लेलिस्ट पर छाया रहा और 2025 का सबसे प्रभावी हार्टब्रेक एंथम बन गया। यह सफलता कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन हाउस कथा पिक्चर्स के लिए एक बड़ी जीत है, जिसने कृति सैनन की ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के साथ मिलकर दो पत्ती फिल्म निर्मित की। इससे पहले उनकी सह-निर्मित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की सफलता ने भी कॉन्टेंट क्रिएशन में उनकी मजबूत पहचान बनाई है। दो पत्ती के साथ प्रोडक्शन में कदम रखते हुए कनिका ढिल्लों ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया, एक ऐसा करियर जो हमेशा दमदार, भावनात्मक और बेजोड़ किरदारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने मनमार्जियां, केदारनाथ, जजमेंटल है क्या से लेकर रश्मि रॉकेट जैसी 5िभन्न शैलियों की फिल्में की हैं। फिर आई हसीन दिलरुबा, दो पत्ती और अब रांझण की लगातार मिल रही सफलता के बीच, कनिका ढिल्लों आज लेखक और निर्माता, दोनों रूपों में नए मानक तय कर रही हैं। कनिका ढिल्लों ने कहा कि रांझण को मिला यह अपार प्यार मेरे लिए बेहद विनम्रता का क्षण है। एक लेखक और निर्माता के रूप में हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियां कहने की रहती है, जो लोगों के दिल को छू जाएं। दो पत्ती को मिली इतनी प्रशंसा और इसके संगीत का भारत का सबसे ज्यादा सुना जाने वाला ट्रैक बनना, यह सब दर्शकों के प्यार का प्रमाण है। परंपरा, सचेत, कौसर मुनीर और निर्देशक बॉब, आप सबने मिलकर इस गाने को लोगों की यादों में हमेशा के लिए उतार दिया है।

डेब्यू करते रातोंरात बनी सुपरस्टार

पहली ही फिल्म के बाद लिया बॉलीवुड से संन्यास

आज 45,000 करोड़ की है मालकिन

बॉलीवुड की वो हसीना जिसने अपने पूरे करियर में सिर्फ एक ही फिल्म में काम किया, लेकिन सिर्फ एक ही फिल्म से वो दर्शकों पर कुछ ऐसा प्रभाव छोड़ने में सफल रहीं कि आज भी लोग उन्हें भुले नहीं हैं. बॉलीवुड की इस खूबसूरत अदाकारा ने पहली ही फिल्म के बाद इंडस्ट्री से संन्यास ले लिया था. वो ग्लैमर जगत से दूर हैं पर आज भी उनकी जिंदगी में ऐश और आराम की कोई कमी नहीं है। बॉलीवुड में एक फिल्म से भी किसी की किस्मत बदल सकती है। जहां कई लोग सालों तक संघर्ष करते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें वो स्टारडम नहीं मिल पाता है जिसका ख्वाब लेकर वो फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखते हैं। वहीं, दूसरी तरफ इस इंडस्ट्री में कुछ सितारों की ऐसी भी कहानियां हैं जहां एक ही फिल्म ने उनकी किस्मत बदल दी। बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस जिसने सिर्फ एक फिल्म से पहचान बनाई, इंडस्ट्री छोड़ दी और बाद में 45,000 करोड़ रुपए का बिजनेस साम्राज्य खड़ा कर दिया। ये हसीना जिसकी आज बात कर रहे हैं वो शाहरुख खान के साथ काम कर चुकीं गायत्री जोशी हैं। गायत्री को साल 2004 में आई फिल्म 'स्वदेस' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। ये एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म थी। पहली ही फिल्म में वो अपने शानदार अभिनय से प्रभावित करने में सफल रही थीं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और साल 2000 में फेमिना मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता था। गायत्री ने जल्द ही फिल्मों में डेब्यू किया और 2004 में शाहरुख खान के साथ 'स्वदेश' फिल्म में गीता का किरदार निभाया। गायत्री ने सिर्फ एक फिल्म से दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बावजूद, उन्होंने फिल्मों को अलविदा कहने का फैसला किया। फिल्म 'स्वदेस' के अलावा उन्हें कैडबरी के ऐड के लिए जाना जाता है। पहली फिल्म के बाद गायत्री जोशी हमेशा के लिए सिल्वर स्क्रीन से दूर हो गईं। गायत्री जोशी का जन्म 1977 में नागपुर, महाराष्ट्र में एक मराठी जोशी परिवार में हुआ था। वे रामनिवास रुंडाला और हेमा की बेटी हैं और उनकी एक बहन अहाना जोशी भी हैं। गायत्री ने अपने करियर की शुरुआत वीडियो जॉकी के तौर पर की थी और मॉडलिंग में भी नाम कमाया, जिसमें कैडबरी पर्क का आइकॉनिक विज्ञापन भी शामिल है। स्वदेस की रिलीज के एक साल बाद ही एक्ट्रेस ने साल 2005 में शादी कर घर बसा लिया था।

(साभार एजेंसी)

केएससीए के नए अध्यक्ष चुने गए वेंकटेश प्रसाद

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) का नया अध्यक्ष चुना गया है। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुजीत सोमसुंदर को उपाध्यक्ष चुना गया है, जबकि संतोष मेनन सेक्रेटरी चुने गए। बीएन मधुकर को ट्रेजरर चुना गया, जबकि केएन शांत कुमार पैनल के बीके रवि को ज्वाइंट सेक्रेटरी पद का जिम्मा मिला है। रविवार को जिस चुनाव का बेसब्री से इंतजार था, उसमें कुल 1,307 वोट पड़े, जो 2013 में डाले गए रिकॉर्ड 1,351 वोटों से थोड़े कम हैं। भारत की तरफ से 33 टेस्ट और 161 वनडे मुकाबले खेलने के बाद वेंकटेश प्रसाद साल 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रहे थे। प्रसाद के पैनल को भारत के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ का सपोर्ट था, जिन्होंने 2010 से 2013 तक केएससीए के प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी के तौर पर भी काम किया। अब, उन्हें 749 वोट मिले हैं, जबकि उनके विरोधी केएन शांत कुमार ने 588 वोट हासिल किए। उपाध्यक्ष पद के लिए सुजीत सोमसुंदर को 719 वोट मिले, जबकि डी विनोद सिवप्पा ने 588 वोट हासिल किए। सोमसुंदर ने हाल ही में बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में एजुकेशन हेड के तौर पर काम किया था। संतोष मेनन को सेक्रेटरी पद के लिए 672 वोट मिले, जबकि ईएस जयराम ने 632 वोट हासिल किए। बीएन मधुकर ने 736 वोट के साथ ट्रेजरर हासिल किया, जबकि एमएस विनय को 571 वोट मिले। शांत कुमार पैनल के लिए खुशी की बात यह रही कि बीके रवि ने 669 वोट हासिल करते हुए ज्वाइंट सेक्रेटरी पद हासिल किया। उन्होंने एवी शशिधर को हराया, जिन्हें 638 वोट मिले। मैनेजिंग कमेटी में लाइफ मेंबर के दो पदों के लिए, वीएम मंजूनाथ (690 वोट) और शैलेश एन पोल (618 वोट) चुने गए। बेंगलुरु जोन से तीन पदों के लिए, पूर्व क्रिकेटर कल्पना वेंकटचर (764 वोट), अविनाश वैद्य (691 वोट) और आशीष अमरलाल (703 वोट) चुने गए हैं।

पलाश के साथ शादी टूटने के बाद पहली बार दिखीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर करते हुए बताया था कि उनकी पलाश मुच्छल के साथ शादी अब नहीं होगी. उनकी शादी 23 नवंबर को होनी थी. हल्दी से लेकर संगीत समारोह, धूमधाम से मनाए गए लेकिन 23 नवंबर को ही खबर आई कि शादी टाल दी गई. तब ये सामने आया था कि स्मृति के पिता की तबियत खराब हो गई है. शादी कैंसिल होने की खबर की पुष्टि के बाद स्मृति पहली बार नजर आई हैं. उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है.

स्मृति मंधाना के लिए उनकी सबसे प्यारी चीजों में से एक क्रिकेट है. उन्होंने रविवार को शादी कैंसिल होने की पुष्टि करते हुए लिखा था कि मेरे लिए जिंदगी का एक बड़ा मकसद हमेशा अपने देश को सबसे ऊंचे लेवल पर रिप्रेजेंट करना रहा है. मैं उम्मीद करती हूं कि जब तक हो सके, इंडिया के लिए खेलती रहूं और ट्रॉफी जीतूं और मेरा फोकस हमेशा वहीं रहेगा. महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतने के बाद स्मृति मंधाना अपनी शादी की तैयारियों में व्यस्त हो गई थी. ये शादी टूट गई. मंधाना ने लिखा, 'मैं इस मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं और आप से भी यही करने की गुजारिश करती हूं. मैं आपसे प्रार्थना करती हूं कि इस समय दोनों परिवारों की प्राइवेसी का सम्मान करें और हमें अपनी गति से आगे बढ़ने का मौका दें.

फ्री स्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर :

भारत से अर्जुन पर होगी नजरे , नीमन हंस नें जीता पानी के अंदर शतरंज

कैपटाउन, एजेंसी। 12 साल से दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का पसंदीदा शतरंज फॉर्मेट और उनकी महत्वाकांक्षी फ्री स्टाइल शतरंज श्रृंखला 2025 का विजेता कौन होगा अब यह हमें अगले चार दिनों में पता चल जाएगा ।7 लाख 50 हज़ार डॉलर के पुरस्कार राशि वाले इस फाइनल में कुल आठ खिलाड़ी भाग लेने जा रहे है जिसमें नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, यूएसए के फैबियानो कारूआना , नीमन हंस मोके और लेवान अरोनियन, जर्मनी के विंसेंट केमर, भारत के अर्जुन एरिगैसी , ईरान के परहम मघसूदलू और अभी भी विश्व कप जीतने वाले जावोखीर सिंदारोव शामिल है । इन खिलाड़ियों के बीच पहले राउंड रोबिन आधार पर सात राउंड होंगे उसके बाद उनकी

रैंकिंग के अनुसार क्वाटर फ़ाइनल मुकाबलों के लिए सभी की वरीयता तय हो जाएगी इसके बाद क्लासिकल फॉर्मेट में क्वाटर फ़ाइनल सेमी फ़ाइनल और फाइनल के मुक़ाबले खेले जाएँगे । वहीं फ्री स्टाइल के ग्रैंड स्लैम के एक प्रमोशन टूर्नामेंट में खिलाड़ियों नें पानी के अंदर शतरंज खेला ।

इस मुक़ाबले में खिलाड़ी पानी के अंदर जाकर चाल चलते और उसके बाद बाहर आकर सांस लेते । इसमें यूएसए के नीमन हंस मोके नें यूएसए के ही फैबियानो कारूआना को पराजित करते हुए खिताब अपने नाम किया , इसका आयोजन कैपटाउन के होटल साइलो के स्वीमिंग पूल में किया गया । वहीं प्रमोशन कार्यक्रम के तहत मैग्नस कार्लसन नें बच्चो के साथ साइमल शतरंज खेला ।

कटक के बाराबती स्टेडियम में अकेले की प्रैक्टिस

हार्दिक पंड्या टी20 सीरीज में दम दिखाने को तैयार...

कटक, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो चुके हैं और वो इंटरनेशनल क्रिकेट में एक बार फिर धमाल मचाने को तैयार हैं. हार्दिक साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे. इसके लिए हार्दिक कटक पहुंच चुके हैं, जहां टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर (मंगलवार) को खेला जाना है.

हार्दिक पंड्या को एशिया कप 2025 के दौरान क्वाड्रिसेप्स इंजरी हुई थी, जिसके चलते उन्होंने भारतीय टीम के लिए कुछ सीरीज मिस किए. हाल ही में हार्दिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में वडोदरा के लिए दो मैच खेलकर फिटनेस साबित की. इस दौरान पंजाब के खिलाफ उन्होंने 77 रनों की धमाकेदार पारी भी खेली थी. रविवार (7 दिसंबर) को हार्दिक पंड्या ने बराबती स्टेडियम में अकेले ट्रेनिंग की. वह शनिवार को ही यहां पहुंच गए थे, जबकि बाकी खिलाड़ी अलग-अलग बैच में यहां पहुंचे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक ने स्ट्रेचिंग, रनिंग और वार्म अप समेत पूरा ट्रेनिंग सेशन किया. सपोर्ट स्टाफ के सदस्य नुवान और दयानंद गरानी भी ट्रेनिंग के दौरान उनके साथ मौजूद रहे.

हार्दिक ने फुल पेस से की बॉलिंग

गेंदबाजी करते समय हार्दिक पंड्या को हल्की असहजता जरूर हुई, लेकिन उन्होंने पूरा जोर लगाकर गेंदबाजी की. लगभग 20 मिनट की बॉलिंग के बाद हार्दिक के लिए 20 मिनट का मसाज सेशन भी हुआ.

बैटिंग प्रैक्टिस के दौरान हार्दिक बेहतरीन लय में दिखे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दिखाई फॉर्म को आगे बढ़ाते हुए उन्होंन शानदार शॉट्स खेले.

प्रज्ञानन्दा बने लंदन शतरंज क्लासिक के सयुंक्त विजेता , फीडे कैंडिडैट के लिए मजबूत हुआ दावा

लंदन, एजेंसी। भारत के नंबर दो शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानन्दा नें लंदन चैस क्लासिक में 9 राउंड के बाद 7 अंक बनाकर दो अन्य खिलाड़ी सर्बिया के ईविक वेलीमीर और इंग्लैंड के आमीत के घासी के साथ सयुंक्त विजेता रहे ।

भारत के प्रणव वी 6.5 अंक बनाकर चौथे और इनियन पी दसवें स्थान पर रहे । प्रज्ञानन्दा नें अंतिम राउंड में इज़राइल के ईया स्मिरिन से ड्रॉ खेला और अपने पहले स्थान को सुरक्षित कर

लिया । फीडे कैंडिडैट के करीब पहुंचे प्रज्ञानन्दा : फीडे सर्किट में प्रज्ञानन्दा को इस जीत से 8.17 अंक मिले और इससे प्रज्ञानन्दा फीडे सर्किट में 115.17 के साथ पहले स्थान पर मजबूत हो गए है और अब उनको पीछे छोड़ने के लिए जर्मनी के विंसनेट केमर (55.8 अंक) और उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तारोव (51.99) के पास मौका तो है पर ऐसा करना असंभव नजर आता है क्यूंकी इसके लिए उन्हे विश्व रैपिड ऑर ब्लिट्ज दोनों के खिताब जीतने होंगे जो आज तक इतिहास में सिर्फ मैगनस कार्लसन नें किया है ।

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप :

सेमीफाइनल में भारत की हार, जर्मनी ने बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

चेन्नई, एजेंसी। भारत को एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में गत चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब बुधवार को खिताबी मुकाबले में जर्मनी का सामना स्पेन से होगा, जबकि इसी दिन भारतीय टीम तीसरे/चौथे स्थान के लिए अर्जेंटीना से भिड़ेगी। रविवार को खेले गए इस मुकाबले में भारत के लिए अनमोल एक्का गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे, जबकि जर्मनी की तरफ से लुकास कोसेल, टाइटस वेक्स, जोनास वॉन गेर्सम और बेन हसबैक ने गोल दागे। जर्मनी ने पहले क्वार्टर की शुरुआत मजबूती से की।

हालांकि, भारत ने शुरू में दबाव बनाए रखने और गोल दागने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। मुकाबले के तीसरे मिनट में ही जस्टस वारवेग ने एक मजबूत इंटरसेप्शन किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया। 14वें मिनट में जर्मनी को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला। क्विरिन नाहर ने शॉट लिया, जिसे अंकित पाल के शरीर ने गोल के ठीक सामने रोक दिया और मेहमान टीम को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। लुकास कोसेल ने स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला, जिससे जर्मनी को अहम बढ़त मिली। अगले ही मिनट में सर्कल के अंदर टाइटस वेक्स का पास, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर के पैर से टकराकर गोल में चला गया। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक जर्मनी की टीम 2-0 से आगे निकल गई थी।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में अपने ओवरऑल गेमप्ले को फिर से बेहतर बनाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। मुकाबले के 30वें मिनट जर्मनी को अपना दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे लुकास कोसेल ने फिर से सफलतापूर्वक गोल में बदला। यह टीम का तीसरा, जबकि लुकास का दूसरा गोल रहा। भारत की गोल करने की पहली अच्छी कोशिश 34वें मिनट में हुई, जब अजीत यादव ने अपनी स्किल से दो जर्मन डिफेंडर्स को छकाते हुए गोल की तरफ एक जोरदार शॉट मारा, लेकिन गोलकीपर जैस्पर डिट्ज़र ने मजबूत बचाव किया। 40वें मिनट में जैनिक इनॉक्स ने ड्रिबल किया और भारतीय डिफेंस के बीच से एलेक वॉन श्वेरिन को पास किया, जिन्होंने भारतीय गोलकीपर को छकाते हुए बॉल को गोल की तरफ बढ़ाया और जोनास वॉन गेर्सम ने इसे ओपन नेट में डालकर जर्मनी को 4-0 से आगे कर दिया।

शाकिब ने रिटायरमेंट वापस लिया: कहा-

घरेलू सीरीज खेलकर एकसाथ अलविदा कहूंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने मोईन अली के पॉडकास्ट बियर्ड बिफोर विकेट में साफ कहा है कि उन्होंने अभी तक तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) से आधिकारिक संन्यास नहीं लिया है। यह पहला मौका है जब उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की।

शाकिब ने कहा,'मैं अभी सभी फॉर्मेट से रिटायर नहीं हुआ हूं। मेरा प्लान है कि बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज (टी-20, वनडे और टेस्ट) खेलूं और उसके बाद तीनों फॉर्मेट से एक साथ संन्यास ले लूं। सीरीज टी-20 से शुरू हो या टेस्ट से, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस एक पूरी सीरीज खेलकर फैंस को अलविदा कहना चाहता हूं।'

बांग्लादेश लौटने की उम्मीद

मई 2024 से शाकिब बांग्लादेश नहीं लौटे हैं। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठे थे। वे आवामी लीग से सांसद थे और एक कथित हत्या के मामले में उनका नाम आया था। उस समय वे देश में मौजूद नहीं थे। फिर भी उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट सीरीज खेली।

आईपीएल 2026:

आरसीबी के लिए आईपीएल शुरू होने से पहले ही खुशखबरी

चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही गूंजेगी फैंस की गरज

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीता था। पंजाब किंग्स को टीम ने खिताबी मुकाबले में मात दी थी। इस जीत का जश्न बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मनाया गया।

इस दौरान भगदड़ मच गई और 11 लोगों की जान चली गई। इसके बाद स्टेडियम पर सवाल खड़े होने लगे। महिला विश्व कप 2025 के मैच बेंगलुरु में होने थे लेकिन उन्हें भी शिफ्ट कर दिया गया था। आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी के मैचों को भी शिफ्ट करने की बात हो रही है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने क्या कहा?

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने साफ किया है कि एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से आईपीएल मैचों को कहीं और नहीं ले जाया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि यह बेंगलुरु और कर्नाटक के सम्मान की बात है और वे सुनिश्चित करेंगे कि आईपीए मैच यहीं हों।

उन्होंने एक्स पर लिखा- चिन्नास्वामी स्टेडियम से आईपीए मैच कहीं और शिफ्ट नहीं होने देंगे। यह बेंगलुरु और कर्नाटक की शान का सवाल है। हम यह पक्का करेंगे कि आईपीएल मैच यहीं हों। मैं क्रिकेट फैन हूं। हम यह पक्का करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और स्टेडियम की इज्जत बनी रहे। हम एक नए क्रिकेट स्टेडियम का भी निर्माण करेंगे जो एक विकल्प के तौर पर काम करेगा।

कई इवेंट की मेजबानी छीन चुकी

2025 महिला वनडे विश्व कप के पांच मैच यहां होने थे, लेकिन 4 जून की भगदड़ के बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन पुलिस से आवश्यक मंजूरी हासिल नहीं कर सका। इससे पहले अगस्त में महाराजा टी20 टूर्नामेंट की मेजबानी से भी इस स्टेडियम को हटा दिया गया था। इसके अलावा, 2026 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग के मैच भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं होंगे। लीग के मुकाबले नवी मुंबई के डॉ. डी. वाई. पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी और वडोदरा के कोटम्बी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

215 रन से टी20 मुकाबला हारी टीम

17 छक्के मारने वाला अकेले पड़ा 11 खिलाड़ियों पर भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के जिस फॉर्मेट यानी कि टी20 क्रिकेट में 200 प्लस रन को विनिंग टोटल समझा जाता है. उसमें एक टीम 215 रन से मुकाबला हार गई. अब जरा सोचिए कि सामने वाली टीम ने उसे टारगेट कितने रनों का दिया होगा? और, ये नतीजा किसी लीग के मुकाबले का नहीं बल्कि टी20 इंटरनेशनल मैच का है. हम बात कर रहे हैं स्पेन और क्रोएशिया के बीच खेले टी20

इंटरनेशनल मैच की. 7 दिसंबर को दोनों टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें स्पेन ने क्रोएशिया को 215 रन से हरा दिया. अब ये हुआ कैसा, आइए जानते हैं.

स्पेन ने खड़ा किया रनों का पहाड़

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्पेन ने रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया. उसने 20 ओवर में 3 विकेट पर 290 रन बनाए, जो कि टी20 इंटरनेशनल में किसी टीम का बनाया 5वां सबसे बड़ा स्कोर है. स्पेन की टीम को इतने बड़े स्कोर तक पहुंचाने में उसके ओपनर मोहम्मद इहसान का बड़ा रोल रहा, जो अकेले ही क्रोएशिया के 11 खिलाड़ियों पर भारी पड़ गए.

17 छक्के उड़ाने वाला पड़ा पूरी टीम पर भारी

मोहम्मद इहसान ने क्रोएशिया के खिलाफ 253.96 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए ना सिर्फ 17 छक्के लगाए बल्कि 5 चौके भी मारे. इन 22 बाउंड्रीज के दम पर उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में ही 160 रन जड़ दिए. अब जब अकेला बल्लेबाज इतने रन मारेगा तो टीम के स्कोर बोर्ड में तो आग लगेगी ही. कुछ वैसा ही क्रोएशिया के खिलाफ स्पेन का स्कोर बोर्ड भी रहा.

अब जब क्रोएशिया की टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो उसके लिए स्पेन के दिए लक्ष्य को छू पाना तो बहुत दूर की बात, 17 छक्के मारने वाले मोहम्मद इहसान के स्कोर से भी पार पाना मुश्किल हो गया. सीधे शब्दों में कहें तो क्रोएशियाई टीम ने 20 ओवर में जितने रन बनाए, वो मोहम्मद इहसान के बनाए 160 रन से भी 85 रन कम ही रहे.

टी20 की 5वीं सबसे बड़ी हार

क्रोएशिया की टीम ने 291 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर सिर्फ 75 रन ही बनाए. नतीजा ये हुआ कि वो 215 रन से मुकाबला हार गए, जो कि रनों के लिहाज से क्रोएशिया को मिली सबसे बड़ी हार है. वहीं टी20 इंटरनेशनल में किसी टीम को रनों के लिहाज से मिली ये 5वीं सबसे बड़ी हार है.

शांति योजना और सुरक्षा पर यूरोपीय सहयोगियों के साथ लंदन में बातचीत करेंगे जेलेंस्की

» लंदन, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सोमवार को लंदन में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के नेताओं से मुलाकात करेंगे। कीव के यूरोपीय सहयोगी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित योजना पर कठिन वार्ता में यूक्रेन के हाथ मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के 10 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित आवास पर उनके अलावा जेलेंस्की, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज जुटने वाले हैं। जेलेंस्की ने रविवार देर रात कहा कि इस सप्ताह लंदन और ब्रसेल्स में यूरोपीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत सुरक्षा, वायु रक्षा और यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण पर केंद्रित होगी। नेता यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि किसी भी युद्धविराम को यूरोप और अमेरिका दोनों की ओर से ठोस सुरक्षा गारंटी का समर्थन प्राप्त हो ताकि रूस को फिर से हमला करने से रोका जा सके।

अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने शनिवार को तीन दिवसीय वार्ता पूरी की, जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के शांति प्रस्ताव पर मतभेदों को कम करना था। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर पोस्ट किया कि वार्ता में गंभीर और अर्थपूर्ण चर्चा हुई तथा राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमरोव और जनरल स्टाफ के प्रमुख आंद्रेई हनातोव उन्हें जानकारी देने के लिए यूरोप आ रहे हैं। प्रस्ताव में एक प्रमुख विवाद का मुद्दा यह है कि क्या यूक्रेन को अपने पूर्वी डोनबास क्षेत्र का नियंत्रण रूस को सौंप देना चाहिए, जिसने उसके अधिकांश क्षेत्र पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी जमीन सौंपने के विचार से सहमत नहीं हैं। स्टार्मर ने कहा कि वह शांति समझौते को स्वीकार करने के लिए जेलेंस्की पर दबाव नहीं डालेंगे। उन्होंने प्रसारक आईटीवी से कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना है कि अगर शत्रुता समाप्त होती है और मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा, तो यह न्यायसंगत और स्थाई होनी चाहिए और इसी पर हम आज दोपहर ध्यान केंद्रित करेंगे।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार रात पत्रकारों के साथ बातचीत में जेलेंस्की से निराश दिखे थे और उन्होंने दावा किया था कि यूक्रेनी नेता ने अभी तक प्रस्ताव नहीं पढ़ा है। वाशिंगटन में कैनेडी सेंटर ऑनर्स में भाग लेने से पहले ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। उनकी टीम को यह पसंद है लेकिन उन्होंने इसे पढ़ा नहीं हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह दस्तावेज, जो प्रशासन के मुख्य विदेश नीति हितों को रेखांकित करता है, काफी हद तक मास्को के दृष्टिकोण के अनुरूप है। पेसकोव ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि क्रेमलिन, रूस के साथ रचनात्मक संबंध विकसित करने पर दस्तावेज में जोर दिए जाने का स्वागत करता है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, नई अवधारणा में जो बारीकियां हम देखते हैं, वे निश्चित रूप से हमें आकर्षक लगती हैं। इसमें संवाद और रचनात्मक, मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने की आवश्यकता का उल्लेख है। इससे कोई मदद नहीं मिलेगी लेकिन यह हमें आकर्षित करने के लिए है और यह पूरी तरह से हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। हम समझते हैं कि द्विपक्षीय संबंधों में वर्तमान में मौजूद अड़चनों को दूर करके, हमारे लिए अपने संबंधों को वास्तव में बहाल करने और उन्हें गहरे संकट से बाहर निकालने की संभावना खुल सकती हैं। व्हाइट हाउस द्वारा शुक्रवार को जारी दस्तावेज में कहा गया कि अमेरिका रूस के साथ अपने संबंध सुधारना चाहता है, विशेष रूप से उन वर्षों के बाद जब मॉस्को को वैश्विक स्तर पर तिरस्कृत माना गया और युद्ध को समाप्त करना अमेरिका के लिए एक मूलभूत हित है ताकि रूस के साथ रणनीतिक स्थिरता पुनः स्थापित की जा सके। स्टार्मर की सरकार ने अमेरिकी दस्तावेज पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह अमेरिकी सरकार का मामला है। राजनयिक प्रयास जारी रहने के बीच, रूसी सेना ने सप्ताहांत में यूक्रेन पर हमले जारी रखे। क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह ह्रगोरॉव ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूसी ड्रोन ने उत्तर-पूर्वी यूक्रेनी शहर ओख्तिर्का में रात में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया।

जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने वाले अमेरिकी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के लिए तैयार नहीं : ट्रंप

कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं जिसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं। ट्रंप ने कहा, मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। उनकी टीम को यह पसंद है लेकिन वह तैयार नहीं हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है। वास्तव में पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप के प्रस्ताव के कई पहलू अव्यावहारिक हैं। हालांकि, प्रस्ताव का मूल मसौदा मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ था। जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उन अमेरिकी अधिकारियों के साथ फोन पर महत्वपूर्ण बातचीत की है, जो फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता में शामिल हैं।

चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं : चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

पुतिन की भारत यात्रा पर चीन सकारात्मक मजबूत त्रिपक्षीय सहयोग का आह्वान किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को ग्लोबल साउथ का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ-साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि ग्लोबल साउथ का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की हाई-प्रोफाइल भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है।

गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी। भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं। हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं। भारत-चीन संबंधों पर गुओ ने कहा कि बीजिंग दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ नई दिल्ली के साथ अनवरत और मजबूत संबंध कायम करना चाहता है। भारत और चीन 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुई सैन्य झड़पों के बाद तनावपूर्ण हुए रिश्तों को सामान्य बनाने की राह पर हैं। गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने व संभालने, दोनों देशों और उनके लोगों के लाभ के लिए संबंधों के अनवरत, मजबूत और स्थिर विकास को बढ़ावा देने तथा एशिया और उसके बाहर शांति एवं समृद्धि में उचित योगदान देने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। साक्षात्कार में पुतिन ने नई दिल्ली और बीजिंग को मॉस्को का करीबी मित्र बताने के साथ ही कहा था कि भारत और चीन की सरकारें अपने मुद्दों का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा रूस को उनके द्विपक्षीय मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है।

अग्निकांड को लेकर लोगों में गुस्से के बावजूद हांगकांग में मतदान दर बढ़ी

हांगकांग, भाषा। चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग में 2021 में व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करके लोकतंत्र समर्थक विपक्ष को खत्म किए जाने के बाद दूसरी बार हो रहे आम चुनाव के लिए लगभग एक तिहाई पंजीकृत मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान दर 31.9 प्रतिशत दर्ज की गई जो 2021 के चुनाव में करीब 30.2 प्रतिशत थी। यह चुनावी बदलाव होने से पहले की तुलना में काफी कम मतदान है। इससे पहले मतदान 50 प्रतिशत से ऊपर रहा था। लगभग दो सप्ताह पहले एक अपार्टमेंट में आग लगने से 159 लोगों की मौत के बाद हुए ए चुनाव इस त्रासदी से निपटने को लेकर सरकार के बारे में जनता की राय भांपने का जरिया माना जा रहा है। शहर के 41 लाख पात्र मतदाताओं में से विशेष रूप से लोकतंत्र समर्थक लोगों ने 2019 में विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए दमन के पश्चात राजनीति से दूरी बना ली है। इस चुनाव में उम्मीदवारों का चीन के प्रति निष्ठावान होना आवश्यक है। सरकार का कहना है कि 2019 में बड़े पैमाने पर हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद स्थिरता लाने के लिए ए बदलाव जरूरी थे। इस बार मतदान प्रतिशत पर सबकी नजरें थी जो 2021 में हुए पिछले चुनाव में 30 प्रतिशत तक गिर गया था। शहर के मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने शुक्रवार को लोगों से मतदान करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि वह नई लेजिस्लेटिव काउंसिल में एक प्रस्ताव पेश करेंगे, जिसमें यह बताया जाएगा कि आग से प्रभावित पीड़ितों की कैसे सहायता की जा सकती है। वर्ष 2021 में हुए परिवर्तनों से पहले भी 70 सदस्यीय लेजिस्लेटिव काउंसिल में से केवल आधे सदस्यों को सामान्य मतदाता चुनते थे। अब सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है, जिनमें से 20 सदस्यों को मतदाता चुनते हैं जबकि 40 का चुनाव चीन समर्थक चुनाव समिति करती है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में अभियान के दौरान छह आतंकवादी ढेर, पंजाब में 12 गिरफ्तार

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को चलाए गए अभियान में कम से कम छह आतंकवादी और एक सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं पंजाब प्रांत में सुरक्षाबलों ने 12 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। आतंकवादियों के खिलाफ यह अभियान अफगानिस्तान की सीमा से लगे मोहमंद कबायली जिले के सोरान दर्रा क्षेत्र में शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में छह आतंकवादी मारे गए, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में एक सुरक्षा कर्मी की भी मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

पंजाब आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने एक बयान में कहा कि लाहौर, फैसलाबाद और बहावलपुर में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियानों के दौरान 12 खतरनाक आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए। पंजाब सीटीडी ने दावा किया, गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकवादी भय और धार्मिक विद्वेष फैलाने के लिए प्रांत के संवेदनशील और धार्मिक स्थानों पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। आतंकवादी संवेदनशील स्थानों और धार्मिक स्थलों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे। सीटीडी ने संदिग्धों के पास से सात आईईडी बम, दो डेटोनेटर, विस्फोटक सामग्री, हथियार, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की।

इजराइली बल हमारे परिसर में जबरन घुसे : संयुक्त राष्ट्र फलस्तीन राहत एजेंसी

» यरुशलम, भाषा।

इजराइली पुलिस सोमवार तड़के पूर्वी यरुशलम में स्थित फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के परिसर में जबरन घुस गई। यह संगठन के खिलाफ अभियान तेज किए जाने का संकेत है जिसे इजराइली क्षेत्र में काम करने से प्रतिबंधित किया गया है पश्चिम एशिया में फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए राहत कार्य करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने एक बयान में कहा कि मोटरसाइकिल व ट्रकों में सवार पुलिस कर्मियों सहित बड़ी संख्या में इजराइली बलों ने फलस्तीनी इलाके शेख जर्राह स्थित परिसर में प्रवेश किया और परिसर की संचार व्यवस्था काट दी।

एजेंसी ने कहा, इजराइली सुरक्षा बलों द्वारा अनधिकृत और बलपूर्वक प्रवेश, संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में यूएनआरडब्ल्यूए के विशेषाधिकारों और राजनयिक छूट का अस्वीकार्य उल्लंघन है। अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक छायाकार द्वारा ली गई तस्वीरों में सडक पर पुलिस की गाडियां और परिसर की छत पर लगाया गया इजराइली झंडा दिखाई दे रहा है। यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों द्वारा उपलब्ध कराई गई तस्वीरों में परिसर के अंदर इजराइली पुलिस अधिकारियों का एक समूह दिखाई दे रहा है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि वे यरूशलम की नगर प्रशासन की ऋण वसूली प्रक्रिया में शामिल हुए थे। एजेंसी गाजा, कब्जा किए गए वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में लगभग 25 लाख फलस्तीनी शरणार्थियों के साथ-साथ सीरिया, जॉर्डन और लेबनान में 30 लाख से अधिक शरणार्थियों को सहायता और सेवाएं प्रदान करती है।

नाइजीरिया में अगवा किए गए 100 स्कूली बच्चे रिहा, कई अभी भी बंधक

» मिन्ना (नाइजीरिया), भाषा।

नाइजीरिया के नाइजीरियन कैथोलिक स्कूल से पिछले माह अगवा किए गए 100 बच्चों को रिहा कर दिया गया है लेकिन अब भी 100 से ज्यादा छात्र अपहरणकर्ताओं के चंगुल में हैं। क्रिश्चियन एसोसिएशन ने सोमवार को यह जानकारी दी। पापिरी समुदाय के सेंट मैरी कैथोलिक स्कूल में 21 नवंबर को बंदूकधारियों ने हमला किया था ।

कम से कम 303 स्कूली बच्चों और उनके 12 शिक्षकों को अगवा कर लिया था, हालांकि बाद में अपहरणकर्ताओं के चंगुल से 50 बच्चे भाग निकले थे। ए स्कूल नाइजर राज्य में स्थित है। नाइजर में क्रिश्चियन एसोसिएशन के प्रवक्ता डैनियल अटोरी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि गिरजाघर को पता चला है कि बच्चों को सप्ताहांत में रिहा कर दिया गया था।

निर्वासित किए गए 55 ईरानी नागरिकों को लेकर दूसरा विमान अमेरिका से रवाना: ईरान

ट्रंप प्रशासन की नीति के तहत 400 से अधिक ईरानियों को वापस लाया जा सकता

» तेहरान, भाषा।

ईरानी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका से निर्वासित किए गए ईरानियों को लेकर दूसरा विमान अमेरिका से रवाना हो गया है। वाशिंगटन कथित तौर पर सैकड़ों कैदियों को इस्लामी गणराज्य ईरान वापस भेजने की योजना बना रहा है। यह निर्वासन ऐसे समय में हो रहा है जब जून में तेहरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद वॉशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव बरकरार है। विदेश में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी निर्वासित लोगों के ईरान लौटने को लेकर चिंता व्यक्त की है।

जहां का धर्म आधारित शासन तंत्र दशकों से अभूतपूर्व दर से बुद्धिजीवियों पर नकेल कस रहा है और कैदियों को फांसी पर चढ़ा रहा है। ईरान की न्यायपालिका के आधिकारिक मुखपत्र मिजान समाचार एजेंसी द्वारा सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में ईरानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी मोजतबा शास्ती करीमी के हवाले से 55 ईरानियों के निर्वासन की बात स्वीकार की गई है। करीमी ने कथित तौर पर कहा, इन व्यक्तियों ने अमेरिका द्वारा विदेशी नागरिकों, विशेष रूप से ईरानियों के खिलाफ आव्रजन विरोधी और भेदभावपूर्ण नीति जारी रखने के बाद स्वदेश लौटने की इच्छा व्यक्त की है। ईरानी अधिकारियों ने स्वीकार किया था कि गत सितंबर में ट्रंप प्रशासन की नीति के तहत 400 से अधिक ईरानियों को वापस लाया जा सकता है। इसके बाद सितंबर महीने में ही ऐसी पहली उड़ान तेहरान पहुंची थी। ईरान ने अतीत में असंतुष्टों और अन्य लोगों को पनाह देने के लिए वाशिंगटन की आलोचना की है।

भारतीय राजनयिक ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका के लिए भारत के समर्थन को दोहराया

कोलंबो, भाषा। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने सोमवार को श्रीलंकाई नेता नमल राजपक्षे से मुलाकात की और विनाशकारी चक्रवात दित्वा से उबरने के प्रयासों में इस द्वीपीय देश के लिए नई दिल्ली के समर्थन को दोहराया। चक्रवात दित्वा के कारण श्रीलंका में लगभग 630 लोगों की मौत हो गई। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल के साथ झा की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब श्रीलंका विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद गंभीर संकट से जूझ रहा है। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए बताया कि नमल ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत जारी राहत और बचाव कार्यों के लिए भारत का धन्यवाद किया। बैठक के दौरान झा ने दोहराया कि भारत श्रीलंका के लोगों के लिए राहत एवं बचाव प्रयासों में समर्थन देना जारी रखेगा।

अमेरिकी रक्षा नीति विधेयक में क्वाड सहित भारत के साथ संबंधों को व्यापक बनाने पर जोर

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर क्वाड के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए।

इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं तथा इसे 2017 में हिंद-प्रशांत में चीन के आक्रामक रवैए का सामना करने के लिए स्थापित किया गया था। रक्षा नीति विधेयक में यह भी प्रावधान है कि रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री मिलकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए एक सुरक्षा पहल शुरू करें। विधेयक के एक अन्य हिस्से में अमेरिका और भारत के बीच परमाणु दायित्व नियमों पर संयुक्त मूल्यांकन की बात कही गई है।

प्रवासियों को आईसीई के आदेशों का पालन नहीं करने का अधिकार है: ममदानी

न्यूयार्क, भाषा। न्यूयॉर्क शहर के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इनकार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट द्वारा मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है। ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो दो दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे

इस्लामाबाद, भाषा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए अपनी पहली दो दिवसीय पाकिस्तान यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नूर खान एयर बेस पर सुबियांतो की अगवानी की। सरकारी रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के साथ प्रमुख मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। उनकी यह यात्रा पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर हो रही है। विदेश कार्यालय के अनुसार, राष्ट्रपति सुबियांतो प्रधानमंत्री शहबाज के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। वह राष्ट्रपति जरदारी से भी मिलेंगे। इसके अलावा, सेना प्रमुख और रक्षा प्रमुख, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी राष्ट्रपति सुबियांतो से मुलाकात करेंगे। दोनों पक्ष पाकिस्तान-इंडोनेशिया संबंधों को और मजबूत करने तथा व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, जलवायु, शिक्षा और संस्कृति समेत सहयोग के नए रास्ते तलाशने के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा करेंगे। इस यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इससे पहले, वर्ष 2018 में इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति जोको विडोडो ने पाकिस्तान की यात्रा की थी।

सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया

तनाव बढ़ने पर थाईलैंड ने कंबोडियाई सीमा पर हवाई हमले शुरू किए

» बैंकॉक, भाषा।

थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गई थी।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अक्टूबर में कराए गए एक संघर्ष विराम समझौते के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे।

थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा माना जा रहा है कि और भी लोग अन्यत्र अपने रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़पों में कम से कम एक थाई सैनिक और चार कंबोडियाई नागरिक मारे गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने टेलीविजन पर एक भाषण में कहा कि देश की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा, थाईलैंड कभी हिंसा नहीं चाहता। मैं दोहराना चाहूंगा कि थाईलैंड ने कभी कोई लड़ाई या आक्रमण शुरू नहीं किया है, लेकिन वह अपनी संप्रभुता का

उल्लंघन कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। नवंबर की शुरुआत में थाई सैनिकों के बारूदी सुरंगों की चपेट में आने के बाद संघर्षविराम पर खतरा पैदा हो गया था, जिसके कारण थाईलैंड ने घोषणा की कि वह संघर्षविराम समझौते के कार्यान्वयन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर देगा। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रुकवा दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड ने कंबोडियाई हमलों से निपटने के लिए कई क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए विमान का इस्तेमाल किया। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाई सेना ने ही सबसे पहले कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि कंबोडिया ने सोमवार को शुरुआती हमलों के दौरान जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, कंबोडिया अनुरोध करता है कि थाईलैंड तुरंत उन सभी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को रोक दे, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,